संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Sarguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

www.ghatatighatana.com
ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 298 सोमवार 01 सितम्बर 2025, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

पीएम मोदी ने जिनपिंग को भारत आने का न्योता दिया

आतंकवाद से लड़ने में चीन का साथ मांगा

बीजिंग,31 अगस्त 2025 (ए)। सात साल बाद चीन पहुंचे पीएम नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की। दोनों के बीच 50 मिनट बातचीत हुई। बातचीत के बाद मोदी ने जिनपिंग को भारत में आयोजित ब्रिक्स 2026 में आने के लिए न्योता दिया। इससे पहले उन्होंने जिनपिंग के सामने आतंकवाद का मुद्दा उठाया। रिपोर्ट्स के मुताबिक मोदी ने इसे वैश्विक मुद्दा बताया और साथ देने की मांग की। वहीं, मीटिंग में जिनपिंग ने कहा कि पीएम मोदी से मिलकर खुशी हुई। ड्रैगन (चीन) और हाथी (भारत) को साथ आना चाहिए। समिट के बाद मोदी आधिकारिक स्वागत समारोह में पहुंचे। यहां एससीओ समिट में आए सभी नेताओं ने ग्रुप फोटो खिंचाई, जिसमें पीएम मोदी के साथ पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ भी मौजूद थे।

शी जिनपिंग का मोदी से आह्वान, साथ चलें ड्रैगन-हाथी

शी ने कहा, ''दोनों पक्षों को अपने संबंधों को रणनीतिक ऊंचाइयों और दीर्घकालिक दृष्टिकोण से देखना एवं संभालना होगा ताकि हमारे द्विपक्षीय संबंधों का निरंतर, मजबूत और स्थिर विकास हो सके।'' चीन की सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' की खबर के अनुसार,शी ने मोदी से कहा कि चीन और भारत प्रतिद्वंद्वी नहीं बल्कि सहयोगी हैं तथा दोनों देश एक-दूसरे के लिए खतरा नहीं बल्कि विकास के अवसर हैं। उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की एकतरफा नीतियों पर स्पष्ट रूप से निशाना साधते हुए कहा कि दोनों देशों को बहुपक्षवाद को बनाए रखना चाहिए।

एक-दूसरे को प्रतिद्वंद्वी के बजाय भागीदार के रूप में देखना चाहिए : चिनफिंग

राष्ट्रपति चिनफिंग ने अपने भाषण में भारत-चीन संबंध सुधारने को रेखांकित करने के लिए एक बार फिर हाथी और ड्रैगन के साथ-साथ नृत्य करने की उपमा दी। पिछले दिनों जब उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को पत्र लिखा था,तो उसमें भी इसका जिक्र था। हाल में विदेश मंत्री वांग ई ने अपनी भारत यात्रा के दौरान भी यही बात कही थी। चीन की तरफ से जारी बयान के मुताबिक,राष्ट्रपति चिनफिंग ने कहा कि 70 वर्ष पहले दोनों देशों के नेताओं द्वारा प्रतिपादित पंचशील सिद्धांतों को संजोना और लागू करना आवश्यक है। उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति व स्थिरता बनाए रखने की प्रतिबद्धता दोहराई, ताकि सीमा विवाद समग्र संबंधों को परिभाषित न करे।

लखनऊ में अवैध पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट

बिल्डिंग उड़ी,मालिक-पत्नी की मौत,2 गंभीर

लखनऊ,31 अगस्त 2025 (ए)। लखनऊ में अवैध पटाखा फैक्ट्री में रविवार सुबह धमाका हो गया। धमाके के साथ पूरी बिल्डिंग जमींदोज हो गई। आसपास के 2-3 मकान भी ढह गए। धमाके की आवाज करीब 2 किमी दूर तक सुनाई दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार,हादसे में फैक्ट्री मालिक और उसकी पत्नी की मौत हो गई है। 2 लोग गंभीररूप से घायल हैं। बताया जा रहा है कि कई लोग मलबे के नीचे दब गए। मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। डीएम-जॉइंट सीपी मौके पर पहुंच गए। धमाका इतना भीषण था कि इससे करीब 10 लोग घायल हुए हैं। मौके पर अफरा-तफरी का माहौल है। पुलिस के पहुंचने से पहले ही घायलों को स्थानीय लोग अस्पताल ले गए। बाराबंकी से भी फायर ब्रिगेड की टीमें पहुंच गईं। हादसा जिला मुख्यालय से 20 किमी दूर गुडंबा थाना क्षेत्र के बेहटा गांव में हुआ। फॉरेंसिक टीम मौके से सैंपल कलेक्ट किया। गंभीर रूप से घायल 2 लोगों का ट्रॉमा सेंटर में इलाज चल रहा है। डॉक्टरों के अनुसार, दोनों के शरीर 70% से ज्यादा जले हैं।

दोनों मरीजों की स्थिति बेहद क्रिटिकल : मेडिकल अफसर

ट्रॉमा सेंटर के कैजुअल्टी मेडिकल अफसर डॉ. प्रत्यूष मिश्रा ने बताया कि कुल 2 मरीजों को एक बजकर 10 मिनट के करीब ट्रॉमा सेंटर लाया गया था। दोनों की कंडीशन बेहद क्रिटिकल है। इरशाद को शुरुआती जांच के बाद प्लास्टिक सर्जरी वार्ड भेज दिया गया है। जबकि, नदीम का अभी इलाज ट्रॉमा सेंटर की बिल्डिंग में ही चल रहा है।

उदयपुर की दरिंदगी पर अदालत का सख्त फैसला

पत्नी को एसिड से जलाने वाले पति को फांसी की सजा

उदयपुर,31 अगस्त 2025 (ए)। राजस्थान के उदयपुर जिले में महिलाओं के खिलाफ हुई एक दिल दहला देने वाली घटना पर कोर्ट ने ऐतिहासिक और सख्त फैसला सुनाया है। मावली अपर जिला एवं सत्र न्यायालय ने शनिवार को पत्नी को जिंदा जलाने के जुर्म में आरोपी पति किशन दास को मृत्युदंड (फांसी) की सजा सुनाई है। अदालत ने साथ ही उस पर 50,000 का जुर्माना भी लगाया। यह मामला 24 जून 2017 की रात का है, जब आरोपी किशन दास ने अपनी पत्नी लक्ष्मी को 'काली और मोटी' कहकर प्रताड़ित करते हुए उसके शरीर पर तेज़ाब (एसिड) जैसा रसायन लगा दिया। उसने पत्नी को झांसा दिया कि यह क्रीम उसे गोरा बना देगी। इसके तुरंत बाद उसने जलती अगरबत्ती से लक्ष्मी का शरीर जलाना शुरू किया। एसिड पहले से लगे होने के कारण आग ने तेजी से विकराल रूप लिया, और लक्ष्मी की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

पावर प्रोजेक्ट टनल में फंसे 19 कर्मचारियों का रेस्क्यू

देहरादून/पिथौरागढ़,31 अगस्त 2025 (ए)। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले के धारचूला क्षेत्र में ऐलागाड़ स्थित एनएचपीसी (नेशनल हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन) के धौलीगंगा पावर हाउस की भूमिगत टनल में शनिवार शाम हुए भूस्खलन के कारण फंसे सभी 19 अधिकारियों और कर्मचारियों को रविवार देर शाम तक सुरक्षित निकाल लिया गया है। भूस्खलन के कारण टनल का मुहाना मलबे और बोल्डरों से बंद हो गया था,जिसके बाद जिला प्रशासन,बीआरओ,एनडीआरएफ, सीआईएसएफ,और एनएचपीसी की संयुक्त टीमें युद्धस्तर पर बचाव कार्य में जुटी रहीं। धारचूला के ऐलागाड़ में भारी बारिश के कारण एक पहाड़ी दरक गई,जिससे धौलीगंगा पावर हाउस की सामान्य और आपातकालीन टनल के मुहाने पर भारी मात्रा में मलबा और बोल्डर जमा हो गए। इस दौरान टनल में 19 अधिकारी और कर्मचारी कार्यरत थे, जो मलबे के कारण फंस गए। हादसे की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन ने तत्काल बचाव कार्य शुरू किया।

मानव-पशु संघर्ष से निपटने में सहयोग नहीं कर रही केंद्र सरकार : विजयन

नई दिल्ली,31 अगस्त 2025 (ए)। केरल के मुख्यमंत्री पिनरायी विजयन ने रविवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार मानव-पशु संघर्ष को कम करने के लिए राज्य के साथ सहयोग नहीं कर रही है। विजयन ने यहां वन विभाग की एक परियोजना की शुरुआत करने के अवसर पर यह बात कही। इस परियोजना का उद्देश्य राज्य में जंगली जानवरों के हमलों को कम करना है। विजयन ने कहा, '' पिछले पांच वर्षों में वन्यजीवों के हमले से हुई मौत के मामलों में 79.14 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया गया है।'' मुख्यमंत्री ने दावा किया, ''वर्ष 2023-24 में 95 प्रतिशत आवेदकों को मुआवजा दिया गया। इसके लिए केंद्र सरकार की ओर से बहुत कम राशि दी गयी।

गृहमंत्री अमित शाह केवल बाढ़ की स्थिति का जायजा लेने जम्मू-कश्मीर आ रहे हैं : अब्दुल्ला

नई दिल्ली,31 अगस्त 2025 (ए)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इस सप्ताह की शुरुआत में जम्मू-कश्मीर में बादल फटने और रिकॉर्ड बारिश के कारण आई अचानक बाढ़ से हुए नुकसान का जायजा करने के लिए केंद्र शासित प्रदेश के दौरे पर आ रहे हैं। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने रविवार को यह जानकारी दी। शाह का रविवार शाम दो दिवसीय दौरे पर जम्मू पहुंचने और सोमवार को राजभवन में एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करने से पहले बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण करने का कार्यक्रम है। अधिकारियों के मुताबिक 14 अगस्त से अब तककिश्तवाड़, कठुआ, रियासी और रामबन जिलों में बादल फटने, भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ के कारण 130 से अधिक लोग मारे गए और 120 से अधिक घायल हो गए, जबकि 33 लापता हैं। अब्दुल्ला ने कहा, ''केंद्रीय गृह मंत्री केवल भारी बारिश और अचानक आई बाढ़ के बाद की स्थिति का आकलन करने और केंद्र से हमारी आवश्यकताओं को देखने के लिए यहां आ रहे हैं।

मन की बात में पीएम का ऐलान : यूपीएससी में सिलेक्ट न होने वाले उम्मीदवारों को 'प्रतिभा सेतु' के जरिए नौकरी

नई दिल्ली,31 अगस्त 2025 (ए)। पीएम नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' की। उन्होंने, 125 वें एपिसोड का प्रसारण प्राकृतिक आपदा, खेल-खिलाड़ी, इनोवेशन, शिक्षा, वोकल फॉर लोकल पर बात की। उन्होंने कहा, इस मानसून के मौसम में प्राकृतिक आपदाएं हमारे देश की परीक्षा ले रही हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि, कई उम्मीदवार UPSC की फाइनल लिस्ट में जगह नहीं बना सके। डिजिटल प्लेटफॉर्म प्रतिभा सेतु एप पर उनकी जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। जो देश की बड़ी-बड़ी कंपनियों के साथ शेयर की जाएगी, ताकि उन्हें इन कंपनियों में अच्छी जॉब मिल सके। उन्होंने कहा कि, पिछले कुछ हफ्तों हमने भीषण बाढ़-भूस्खलन देखे। इन घटनाओं ने हर भारतीय को दुख पहुंचाया है। हम उन परिवारों के दुख में शामिल हैं, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है। जहां भी आपदाएं आईं, हमारे NDRF-SDRF के जवानों ने अन्य सुरक्षा बलों के साथ मिलकर, दिन-रात अथक परिश्रम किया है। सितंबर में हम हैदराबाद लिबरेशन डे मनाएंगे। ये वही महीना है जब हम उन सभी वीरों के साहस को याद करते हैं जिन्होंने ऑपरेशन पोलो में हिस्सा लिया था। उन्होंने कहा, जब अगस्त 1947 में भारत को आजादी मिली,तो हैदराबाद अलग ही स्थिति में था। निजाम-रजाकारों के अत्याचार दिन-ब-दिन बढ़ते जा रहे थे। तिरंगा फहराने या 'वंदे मातरम' कहने पर भी मौत के घाट उतार दिया जाता था। महिलाओं और गरीबों पर अत्याचार किए जाते थे। उस समय बाबा साहेब अंबेडकर ने भी चेतावनी दी थी कि ये समस्या बहुत बड़ी बनती जा रही है। सरदार पटेल ने मामले को अपने हाथ में लिया। उन्होंने सरकार को ऑपरेशन पोलो शुरू करने के लिए तैयार किया। रिकॉर्ड समय में हमारी सेनाओं ने हैदराबाद को निजाम की तानाशाही से आजाद कराया और उसे भारत का हिस्सा बनाया। पूरे देश ने इस सफलता का उत्सव मनाया।

दिल्ली में चार करोड़ रुपये से अधिक कीमत की हेरोइन बरामद

नई दिल्ली,31 अगस्त 2025 (ए)। दिल्ली पुलिस ने रविवार को दो महिलाओं समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर चार करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की हेरोइन बरामद की है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। बाहरी उत्तरी जिला पुलिस ने 29 अगस्त को दो चरणों में चलाए गए अभियान में लगभग 1.012 किलोग्राम हेरोइन बरामद की। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि सबसे पहले जहांगीरपुरी निवासी अफसाना (23) को भलस्वा डेयरी इलाके में गिरफ्तार किया गया और उसके पास से लगभग 300 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पूछताछ के दौरान अफसाना ने उस व्यक्ति का नाम उजागर किया जिसने उसे हेरोइन दी थी। अधिकारी ने बताया कि इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने छापेमारी कर बुराड़ी इलाके से नरेंद्र (37) और उसकी पत्नी ज्योति (35) को गिरफ्तार किया। नरेंद्र को बुराड़ी स्थित परिवहन प्राधिकरण कार्यालय के पास से पकड़ा गया, जबकि ज्योति को उसके आवास से गिरफ्तार किया गया।

राजस्थान में जबरन धर्मांतरण कराने पर उम्रकैद

कैबिनेट ने विधेयक में संशोधनों को दी मंजूरी

जयपुर,31 अगस्त 2025 (ए)। विधानसभा सत्र से पहले रविवार को भजनलाल कैबिनेट ने राजस्थान विधि विरुद्ध धर्म-संपरिवर्तन प्रतिषेध विधेयक को कुछ संशोधनों के साथ मंजूरी दी है। बिल के नए ड्राफ्ट में जबरन धर्म परिवर्तन पर उम्रकैद तक की सजा सहित कड़े प्रावधान किए गए हैं। नए बिल में घर वापसी को धर्म परिवर्तन नहीं माना है। मूल पैतृक धर्म में वापसी को धर्म परिवर्तन की परिभाषा में शामिल नहीं किया गया है। सरकार सोमवार से शुरू हो रहे विधानसभा सत्र में इस बिल को पेश कर सकती है। इसके साथ ही कैबिनेट ने पीएम सूर्य घर150 यूनिट निशुल्क (फ्री) बिजली योजना को भी मंजूरी दी। इससे प्रदेश के 1 करोड़ 4 लाख उपभोक्ताओं को प्रति माह 150 यूनिट बिजली फ्री मिल सकेगी।

घर वापसी धर्म परिवर्तन की परिभाषा में शामिल नहीं : कानून मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा- इसके साथ ही अवैध धर्मांतरण में लिप्त संस्था का रजिस्ट्रेशन रद्द करने, राज्य सरकार द्वारा ग्रांट बंद किए जाने, जिस स्थान पर अवैध धर्म परिवर्तन हुआ है, उस संपत्ति की जांच के बाद जब्ती अथवा गिराए जाने का प्रावधान प्रस्तावित किया गया है। उन्होंने बताया- मूल पैतृक धर्म में वापसी को धर्म परिवर्तन की परिभाषा में सम्मिलित नहीं किया गया है। इस प्रस्तावित कानून में सबूत का भार उस व्यक्ति पर होगा, जिसने धर्म परिवर्तन करवाया है। कैबिनेट ने पीएम सूर्य घर 150 यूनिट निशुल्क बिजली योजना को मंजूरी दी। इसकी घोषणा राज्य सरकार ने बजट में की थी। योजना के तहत अब मुख्यमंत्री फ्री बिजली योजना के रजिस्टर्ड लाभार्थियों को सौर ऊर्जा से जोड़कर 100 की जगह 150 यूनिट बिजली फ्री दी जाएगी। इसके लिए सरकार 150 यूनिट से कम उपभोग वाले करीब 11 लाख उपभोक्ताओं के घरों पर 1.1 किलोवाट क्षमता का निशुल्क सोलर पैनल लगवाएगी।

सीएम मोहन यादव ने ईवीएम को बताया सुदर्शन चक्र,राहुल गांधी पर साधा निशाना

नई दिल्ली,31 अगस्त 2025 (ए)। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कांग्रेस और उसके नेताओं पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कांग्रेस को महाभारत के शिशुपाल से जोड़ते हुए कहा कि जैसे भगवान श्रीकृष्ण ने शिशुपाल की 100वीं गलती पर सुदर्शन चक्र चलाया था, वैसे ही लोकतंत्र में जनता के पास ईवीएम का बटन सुदर्शन चक्र की तरह है। उन्होंने बिहार की जनता से अपील की कि आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को सबक सिखाने के लिए ईवीएम का बटन दबाएं।

बिहार की जनता से अपील : एक टीवी शो में सवालों का जवाब देते हुए सीएम यादव ने कहा, लोकतंत्र में किसी को मारने की जरूरत नहीं है,उसे हार का जवाब दिया जा सकता है। मुझे पूरा भरोसा है कि बिहार की जनता कांग्रेस की गाली-गलौज वाली सियासत को कभी माफ नहीं करेगी। उन्होंने बिहार के भागलपुर में कांग्रेस समर्थकों द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दिवंगत मां के खिलाफ अपमानजनक नारों की कड़ी निंदा की। यादव ने कहा, मोदी जी की मां अब इस दुनिया में नहीं हैं। उनके लिए अपशब्द कहना मानसिक दिवालियापन है। कांग्रेस को इसके लिए माफी मांगनी चाहिए।

राहुल गांधी पर साधा निशाना

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा, राहुल गांधी की मानसिकता अर्बन नक्सल जैसी है। वे सुप्रीम कोर्ट और चुनाव आयोग जैसे लोकतांत्रिक संस्थानों पर सवाल उठाकर देश को शर्मसार कर रहे हैं। सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक के सबूत मांगना उनकी राष्ट्रविरोधी सोच को दर्शाता है। यादव ने कहा कि राहुल गांधी के बयानों ने कांग्रेस को रसातल में पहुंचा दिया है और जनता समय आने पर इसका जवाब देगी।

शाह ने अहमदाबाद में शहरी स्वास्थ्य केंद्र का उद्घाटन किया,पौधारोपण अभियान में भाग लिया

अहमदाबाद,31 अगस्त 2025 (ए)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को यहां पौधारोपण अभियान में भाग लिया और शहरी स्वास्थ्य केंद्र का भी उद्घाटन किया। शाह और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अहमदाबाद के घाटलोदिया वार्ड में ''एक पेड़ मां के नाम'' पहल के तहत पौधारोपण अभियान का नेतृत्व किया। यह अभियान लोगों को अपनी मां के नाम पर एक पेड़ लगाने के लिए प्रोत्साहित करता है। यह कार्यक्रम अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी) द्वारा आयुष्मान वन में आयोजित किया गया। वहीं, एक अन्य कार्यक्रम में शाह ने अहमदाबाद के गोटा वार्ड में 3.84 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित एक शहरी स्वास्थ्य केंद्र का उद्घाटन किया। इस संबंध में जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया कि यह केंद्र आयुष्मान भारत के तहत पीएमजेएवाई (प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना) कार्ड, आभा कार्ड, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, जननी सुरक्षा योजना के साथ-साथ अन्य सभी स्वास्थ्य संबंधी सेवाएं उपलब्ध कराएगा। इसके अलावा, यह गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं और महिलाओं के रोगों के निदान, उपचार सेवाओं की सुविधा भी प्रदान करेगा। विज्ञप्ति में कहा गया कि नवजात शिशुओं और बच्चों के लिए बाल रोग विशेषज्ञों द्वारा जांच, निदान, उपचार सेवाएं तथा गर्भवती महिलाओं और बच्चों के टीकाकरण से संबंधित सेवाएं भी उपलब्ध होंगी।

C M Y K

संपादकीय

राजस्व क्षति कौन वहन करेगा ?

जीएसटी की 28 और 12 प्रतिशत की दरें खत्म करने से 46,000 करोड़ रुपये से अधिक की राजस्व क्षति होगी। इस नुकसान को कौन वहन करेगा? क्या इसे राज्यों को भी साझा करना होगा? अथवा, केंद्र उन्हें मुआवजा देगा? अब साफ है कि बिना प्रक्रियाओं को पूरा किए प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता दिवस को वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के ढांचे में परिवर्तन की घोषणा कर दी। घोषणा के पहले इस बारे में आम सहमति बनाने के किसी प्रयास का संकेत भी नहीं है। अब चूंकि नरेंद्र मोदी दिवाली का ये उपहार देने का एलान कर चुके हैं,तो उसे साकार करने की भाग-दौड़ मची है। गुजरे हफ्ते जीएसटी से संबंधित मंत्रियों के समूह ने इस कर व्यवस्था के तहत सिर्फ दो दरें (पांच और 18 प्रतिशत) रखने की सिफारिश को मंजूरी दी। ये अनुशंसा जीएसटी काउंसिल को भेजी गई है। काउंसिल की बैठक 3-4 सितंबर को बुलाई गई है। उसमें निर्णय लेने का प्रयास किया जाएगा। मगर इस बीच कई सवाल हैं। वित्तीय अखबारों के आकलन के मुताबिक 28 और 12 प्रतिशत की दरें खत्म करने से 46,000 करोड़ रुपये से अधिक की राजस्व क्षति होगी। इस नुकसान को कौन वहन करेगा? क्या इसमें उन राज्य सरकारों को भी साझा करना होगा,जिनकी पहले से सहमति प्राप्त नहीं की गई? अथवा,राज्य सरकारों के नुकसान की क्षतिपूर्ति केंद्र करेगा? केंद्र का 2024-25 में राजकोषीय घाटा जीडीपी के 4.8 प्रतिशत के बराबर रहा था। अधिकांश राज्य भी भारी घाटे में हैं। प्रत्यक्ष नकदी ट्रांसफर की लोक-लुभावन योजनाओं ने पहले ही उन्हें वित्तीय संकट में डाल रखा है। ऐसे में मुख्य प्रश्न है कि कुल घाटे को भरने का क्या तरीका केंद्र सुझाएगा?इस सिलसिले में यह भी उल्लेखनीय है कि ऑनलाइन गेमिंग इंडस्ट्री पर लगाए जा रहे प्रतिबंध से राजकोष को तकरीबन 20,000 करोड़ का नुकसान होने का अनुमान है। इन तथ्यों को जीएसटी के मौजूदा ढांचे को बनाए रखने के पक्ष में दलील के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। जीएसटी को सरल करने की जरूरत है। बल्कि बेहतर तो यह होगा कि पेट्रोलियम पर उत्पाद शुल्क के बोझ से भी लोगों को राहत दी जाए। मगर साथ ही राजस्व का प्रश्न है। इस पर स्पष्टता के अभाव में आशंका पैदा होती है कि कहीं एक तरफ राहत देकर दूसरी तरफ आम लोगों से ही सरकार वसूली तो नहीं करने लगेगी।

अनुसन्धान संस्थान में तकनिकी हिंदी की आवश्यकता

संजय गोस्वामी
अनुशक्तिनगर,मुंबई

आज हिंदी का प्रचार जोर शोर से चल रहा है और हिंदी हेतु सरकार द्वारा राजभाषा हेतु उपनिदेशक (राजभाषा) व अनुवाद अधिकारी की नियुक्ति होती है अच्छी बात है अभी हिंदी दिवस भी सामने आ रही है और अभी से ही लोग हिंदी लेख और उससे जुड़े प्रतियोगिता में भाग लेने को इक्छुक है हिंदी में कर्मचारी को ट्रेनिंग भी दि जा रही है लेकिन हिंदी को अनुसन्धान संस्थान पर थोपना सही नहीं है क्योंकि विज्ञान या इंजीनियरिंग को हिंदी में कितने लोग पढ़े है यदि पढ़े भी है तो संस्थान में काम करने वाले सभी लोग पढ़े हैं क्या? क्योंकि कुछ लोगों के विज्ञान को हिंदी में पढ़ाई करने से अनुसन्धान का कार्य पूर्ण रूप से नहीं होता है क्योंकि टीम वर्क के साथ काम करना होता है अनुसन्धान संस्थान में देश के टॉप इंजीनियरिंग कॉलेज जैसे आईआईटी, एनआईटी आदि के स्टूडेंट रहते हैं वहाँ सारा पढ़ाई इंग्लिश में होता है तकनिकी हिंदी और सिर्फ हिंदी में काफी अंतर है वहाँ हिंदी अनुवादक कार्मिक होते हैं जिसे विज्ञान और इंजीनियरिंग की पकड़ कितनी होती है वो सबको पता है नतीजा यह होता है कि टेक्निकल या इंजीनियरिंग शब्दों का हिंदी में कैसे इस्तेमाल किया जाए अंत में गूगल ट्रांसलेशन की मदद लेते हैं और कार्मिक द्वारा हिंदी ट्रांसलेशन में गलत अर्थ आता है जैसे आप फिजिकल प्रोग्रेस को हिंदी में गूगल ट्रांसलेशन करेंगे तो शारीरिक प्रगति आती है जिसे भौतिक प्रगति होना चाहिए उसी तरह परचेज ऑर्डर का गूगल ट्रांसलेट करते हैं तो खरीद आदेश आता है जबकी क्रय आदेश होना चाहिए इसी तरह प्रोक्योरमेंट को गूगल से ट्रांसलेशन करेंगे तो भी खरीद ही आता है जबकी उसका सही अर्थ प्रापण होना चाहिए आरटीडी जो एक इलेक्ट्रिकल यन्त्र है उसे गूगल से ट्रांसलेशन करने पर सेवानिवृत हो जाता है और एक ऐसा ही शब्द Ti जिसे जिसे टाईटेनियम कहा जाता है गूगल उसे तिवारी पकड़ लेता है ऐसे अनगिनत शब्द हैं जो विज्ञान में हिंदी में गूगल कभी सही अर्थ जो उसमें फिट होना चाहिए वो नहीं बतलाता है अतः यदि अनुसन्धान संस्थान में हिंदी को अनिवार्य करना जरुरी नहीं है नहीं तो वहाँ के साइंटिस्ट को शोध करने में कई कठिनाई का सामना करना पड़ता है ऐसे भी वैज्ञानिक खोज देश या विदेश पर निर्भर नहीं करती है वह सिद्धांत को प्रैक्टिकल के सफलता पर निर्भर करती है और जब आईआईटी और लगभग सभी इंजीनियरिंग कॉलेज में इंग्लिश में पढ़ा होता है तो अनुसन्धान संस्थान में वैज्ञानिक हिंदी में कैसे काम करेंगे अतः अनुसन्धान संस्थान में देश के विकास हेतु टेक्नोलॉजी का उपयोग किया जाता है जो समय से कार्य को पूर्ण करना उसका उद्देश्य होता है तकनीकी लेखन से आशय तकनीकी और व्यावसायिक क्षेत्रों में उपयोग किए जाने वाले तकनीकी संचार को लिखने से है। उदाहरण के लिए कंप्यूटर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर, इंजीनियरिंग, रसायन विज्ञान, वैमानिकी, रोबोटिक्स, वित्त, चिकित्सा, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स, जैव प्रौद्योगिकी और वानिकी जैसे तकनीकी और व्यावसायिक क्षेत्रों में उपयोग किए जाने वाले तकनीकी संचार को लिखना। अतः आज हिंदी में तकनिकी लेखन यदि शुरुआत से ही की जाए तभी इसका फायदा होगा मंगलवार (5 अगस्त, 2025) को लोकसभा को सूचित किया गया कि सरकार ने आधिकारिक संचार, केंद्रीय सेवाओं या शैक्षणिक संस्थानों मे हिंदी को अनिवार्य बनाने के लिए कोई निर्देश जारी नहीं किया है। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने डीएमके सांसद कलानिधि वीरस्वामी के एक लिखित प्रश्न के उत्तर में यह बात कही। इस प्रश्न में पूछा गया था कि क्या सरकार ने हिंदी को अनिवार्य बनाने के लिए कोई निर्देश जारी किए हैं। मंत्री ने उत्तर दिया,नहीं,महोदय। डीएमके सांसद मथेश्वरन वी.एस. द्वारा 2014 से हिंदी के प्रचार-प्रसार पर खर्च की गई धनराशि के बारे में पूछे गए एक अलग प्रश्न का उत्तर देते हुए, मंत्री ने आँकड़े प्रस्तुत किए जिनसे पता चला कि 2014-15 और 2024 के बीच राजभाषा विभाग को आवंटित बजट से 736.11 करोड़ खर्च किए गए हैं।लेकिन हिंदी अपने देश की भाषा है खुसबू बिखेरती है अतः हिंदी के साथ साथ क्षेत्रीय भाषा का भी सम्मान होएक प्रसिद्ध और शिक्षाप्रद दोहा है।

करत करत अभ्यास के
जड़मति होत सुजान।
रसरी आवत जात के
सिल पर परत निशान।।

इसमें जो सबसे महत्वपूर्ण बात है वह है अभ्यास। अगर मान लिया जाए अभ्यास ही गलत हो,या गलत दिशा में किया जा रहा हो। तो सफलता मिलने की संभावना लगभग शून्य ही हो जाएगी। इसलिए हर कार्य या अभ्यास के पीछे भी गंभीरता बहुत जरूरी है। गंभीरता और मन से किया गया कार्य ही सार्थक होता है। इसके अभाव में अभ्यास निरर्थक साबित हो जाएगा। हम जो भी प्रश्नों के जवाब देते हैं वह जवाब कहीं न कहीं मौजूद भी होते हैं। अगर उस जवाब में हम अपने अनुभव द्वारा,उनमें नए उदाहरण नहीं जोड़ेंगे। तो मेरे जवाब का कोई मतलब ही नहीं रह जाएगा यानी मेरा जवाब गंभीरता पूर्वक नहीं लिया जाएगा। उसे एक तरह का कॉपी-पेस्ट ही माना जाएगा। स्कूल के दिनों में एक कहानी पढ़ी थी कि किस तरह एक जादुई बांसुरी वाला व्यक्ति पूरे शहर के लोगों को चूहे के आतंक से आजादी दिलाता है। उस बांसुरी की आवाज में इतना खिंचाव था कि शहर के सारे चूहे उस आवाज के पीछे खींचते चले गए और शहर के बाहर दूरदराज गुफा में बंद कर दिए गए। कहीं न कहीं यह तकनिकी हिंदी का प्लेटफार्म भी लोगों को जादुई बांसुरी वाले व्यक्ति की तरह ही अपनी ओर आकर्षित करता है और विज्ञान लेखक बगैर पारिश्रमिक के ही लगातार मेहनत करते रहते हैं। जो एक सच्चाई भी है।मेरे हिसाब से विज्ञान लेखन का जो नाता है वह कहीं न कहीं एक आकर्षण से भी जुड़ा हुआ मालूम पड़ता है।

पुरातात्विक अनुसंधानों से ज्ञात हुआ है कि आज से लगभग दस हजार वर्ष पूर्व ही मनुष्य ने फसल पैदा करना सीखा था । वेदों में भी इस काल के कृषि विकास का महत्वपूर्ण वर्णन मिलता है। ऋग्वेद तथा अथर्ववेद में कृषि, गोपालन आदि का विशद विवेचन मिलता है। इनमें फसल उत्पादन के लिये आवश्यक भूमि, भूमि की तैयारी,जल तथा सिंचाई, पादप-पोषण,फसल सुरक्षा और मौसम के बारे में बहुत कुछ पढ़ने को मिलता है । साथ ही उस समय के गोपालन के बारे में भी जानकारी मिलती है। जिसका आधुनिक विज्ञान के आधार पर परीक्षण करके बहुत लाभ उठाया जा सकता हैं। इन्हीं जानकारियों को यहाँ क्रमबद्ध रूप से प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया हैं। अलग-अलग भाषाओं के लिए अलग-अलग लिपियों का भी प्रयोग मिलता है। यूरोपीय देशों की भाषाओं के लिए रोमन लिपि का प्रयोग मिलता है। ईरान और इराक आदि देशों की भाषाओं के लिए फारसी लिपि का प्रयोग होता है। अरब देशों की भाषाओं और बोलियों के लिए अरबियन लिपि का प्रयोग होता है। भारत में संस्कृत,प्राकृत और अपभ्रंश प्राचीन भाषों का प्रयोग मिलता है। हिन्दी, मराठी, गुजराती और पंजाबी आदि आर्य भाषा-परिवार की भाषाओं के लिए अलग-अलग लिपियों का प्रयोग होते हुए भी नागरी लिपि का प्रयोग होता है। संस्कृत,प्राकृत, अपभ्रंश,मराठी,कोंकणी, नेपाली और मणिपुरी भाषाओं की अभिव्यक्ति के लिए देवनागरी लिपि का प्रयोग होता है। बांग्ला, उड़िया,असमिया आदि पूर्वी क्षेत्र की भाषाओं की अलग-अलग लिपियां हैं। परन्तु इन भाषाओं का देवनागरी लिपि के निर्माण और विकास में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। हिन्दी एक व्यापक भाषा है, जो सम्पूर्ण भारत का प्रतिनिधित्व करती है, जिसमें सम्पूर्ण भारत एक साथ बोलता है। इसके एक-एक शब्द के उच्चारण में हमारी आत्मा, हमारी संस्कृति समाई हुई है। भारतीय संस्कृति को जीवित रखने के महान् उद्देश्य को दृष्टिगत रखते हुए मनीषियों ने हिन्दी को प्रतिनिधि भाषा घोषित करनें में भारत का और अपना गौरव समझा है। यह निर्विवाद सत्य भी है कि जिस दिन 'हिन्दी' व्यावहारिक रूप में प्रतिनिधि भाषा का रूप धारण कर लेगी और 'अंग्रेजी' का मोह भंग हो जायेगा, उस दिन हमारा देश भाषा के दृष्टिकोण से एक हो जायेगा, विज्ञान के क्षेत्र में अंग्रेजी का कार्य अनायास ही समाप्त हो जायेगा। हिन्दी देश की एकता की कड़ी है। हिन्दी सहज, सरल एवं सम्पूर्ण भाषा है, पर्याप्त शब्द कोष है। इसमें हमारी संवेदनाओं को अभिव्यक्त करने का सामर्थ्य है, भरपूर-साहित्य है, जिसके संवाद अपना एक विशिष्ट स्थान रखते हैं। हिन्दी ने अपनी मौलिकता एवं सुबोधता के बल पर ही राष्ट्र की सभ्यता, संस्कृति और साहित्य को जीवन्त बनाए रखा है सम्पूर्ण राष्ट्र को एक सूत्र में बंधा महसूस कराते रहती है एवं अनेकता में एकता के दर्शन कराती है। हिन्दी के द्वारा ही सारे देश को एक सूत्र में पिरोया जा सकता हैं।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

विवाह समारोह-पवित्र संस्कार,आधुनिकता का दंश और समाज की चुनौती

किशन सनमुखदास भावनानीं
गोंदिया महाराष्ट्र

भारत जैसे विविधताओं से भरे देश में शादी केवल एक सामाजिक अनुबंध नहीं बल्कि एक पवित्र संस्कार मानी जाती है। वेदों से लेकर पुराणों तक, गृहस्थ जीवन को धर्म का महत्वपूर्ण आधार बताया गया है। विवाह को केवल दो व्यक्तियों का मिलन नहीं बल्कि दो परिवारों और दो कुलों का मिलन माना जाता है। इसीलिए इसे सात फेरे, सप्तपदी मंत्र,कन्यादान, होम,आशीर्वाद और धार्मिक अनुष्ठानों के साथ सम्पन्न कराया जाता है। किंतु आज बदलते समय में विवाह के स्वरूप में गहरा बदलाव दिखाई दे रहा है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि शादी समारोह,जो कभी अध्यात्म, त्याग, संस्कार और सामाजिक सामंजस्य का प्रतीक था,अब धीरे-धीरे दिखावे, पैसे की होड़, दहेज, शराब और भव्यता की दौड़ में सिमटता जा रहा है। यह बदलाव न केवल भारतीय संस्कृति के लिए खतरे की घंटी है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सामने एक विकृत परंपरा स्थापित कर रहा है। इस विषय का विस्तार से डिस्कशन व विश्लेषण हम 5 प्वाइंटों के आधार पर करेंगे।

साथियों बात अगर हम विवाह एक पवित्र संस्कार- आध्यात्मिक और सामाजिक आयाम की करें तो,भारतीय संस्कृति में विवाह को सोलह संस्कारों में एक प्रमुख संस्कार माना गया है। यह केवल पति-पत्नी के शारीरिक या भावनात्मक संबंध का बंधन नहीं है, बल्कि धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की साधना का आधार है। विवाह का उद्देश्य केवल जीवनसाथी चुनना नहीं,बल्कि समाज में संतुलित,संस्कारित और धार्मिक जीवन की स्थापना करना है। सात फेरे,जिन्हें हर दंपति विवाह के समय अग्नि के साक्षी में लेता है, केवल शब्द नहीं हैं बल्कि जीवन के लिए आजीवन वचन हैं। आज की पीढ़ी इन मंत्रों और वचनों की गहराई को समझे बिना केवल विवाह को सोशल इवेंट की तरह देखने लगी है। होटल, रिजॉर्ट, फार्महाउस और डेस्टिनेशन वेडिंग ने विवाह को पारिवारिक और सामाजिक जिम्मेदारी के बजाय लक्ज़री इवेंट में बदल दिया है। यह बदलाव भारतीय समाज की मूल आत्मा के विपरीत है।

साथियों बात अगर हम आधुनिकता का दंश और बदलती शादी की परंपरा व दहेज और उपभोक्तावादी संस्कृति की करें तो आधुनिकता अपने साथ तकनीकी विकास,वैश्विक संपर्क और नए अवसर लाती है,परंतु इसका अंधानुकरण विवाह जैसे संस्कारों को विकृत कर रहा है। आज शादियाँ अधिकतर स्टेटस सिंबल बन गई हैं।(अ) लाखों-करोड़ों रुपए खर्च कर शाही शादी दिखाना अब फैशन बन चुका है। (ब) शादी समारोहों में शराब, डीजे, नाइट पार्टी और वेस्टर्न कल्चर की नकल आम हो गई है। (क़) रिश्तेदारों और मेहमानों का सम्मान अब मेन्यू की विविधता और सजावट की भव्यता से आंका जाने लगा है,न कि आत्मीयता और आदर से। इस भौतिकवादी दृष्टिकोण ने विवाह की पवित्रता को गहरे तक प्रभावित किया है। जहां कभी विवाह का अर्थ दो आत्माओं का आध्यात्मिक बंधन था, वहीं आज विवाह का अर्थ सोशल मीडिया पर वायरल तस्वीरें और वीडियो बन गया है।दहेज और उपभोक्तावादी संस्कृति-विवाह का कुरूप चेहरा दहेज प्रथा भारतीय समाज की सबसे बड़ी बुराइयों में से एक है। स्वतंत्रता के बाद से लगातार प्रयासों के बावजूद यह कुरीति खत्म नहीं हुई। आधुनिकता और भौतिकतावाद ने इसे और मजबूत कर दिया है। आज शादी समारोह में गाड़ियों की डिमांड, महंगे गिफ्ट्स, कैश और प्रॉपर्टी की अपेक्षा खुलेआम की जाती है।दहेज न केवल विवाह के पवित्र बंधन को कलंकित करता है बल्कि यह महिलाओं के लिए अपमानजनक और अमानवीय स्थिति पैदा करता है। हजारों बेटियाँ आज भी दहेज के बोझ के कारण या तो शादी नहीं कर पातीं या शादी के बाद उत्पीड़न का शिकार होती हैं।

साथियों बात अगर हम विवाह और शराब संस्कृति, के तेजी से बढ़ते प्रचलन की करें तो, भारतीय समाज में विवाह हमेशा से संयम, मर्यादा और उत्सव का संगम रहा है। परंतु पिछले दो दशकों में शादियों में शराब की संस्कृति तेजी से फैली है। यह न केवल समारोह की गरिमा को कम करता है बल्कि कई बार हिंसा, विवाद और दुर्घटनाओं का कारण भी बनता है।आज समाज के सामने यह प्रश्न है कि क्या विवाह का उत्सव बिना शराब, नाच-गाने और दिखावे के संभव नहीं? विवाह जैसे पवित्र अवसर पर यदि आत्मसंयम और मर्यादा खो जाए तो वह केवल मनोरंजन बनकर रह जाता है। साथियों बात अगर हम विवाह में बढ़ता दिखावापन और समाज पर असर की करें तो,शादी में कितना खर्च हुआ? यह प्रश्न आज समाज का सबसे बड़ा मूल्यांकन बन गया है। किसी परिवार की सामाजिक प्रतिष्ठा अब शादी की भव्यता से तय होती है। परिणामस्वरूप गरीब और मध्यमवर्गीय परिवार कर्ज, उधार और आर्थिक बोझ तले दब जाते हैं। (अ) शादियों में करोड़ों का खर्च करना प्रेस्टीज इश्यू बन चुका है। (ब) आम परिवार इस दौड़ में शामिल होने के लिए अपनी जिंदगी भर की कमाई खर्च कर देते हैं। (क़) और छोटे कस्बों में भी यह प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है, जिससे आर्थिक असमानता और बढ़ रही है।यह प्रवृत्ति भारतीय समाज के लिए खतरनाक है क्योंकि इससे सामाजिक संतुलन और समानता की अवधारणा को गहरी चोट पहुंचती है।

विज्ञानियों ने 2,500 साल पुरानी खोपड़ियों के बनाए चेहरे

विजय गर्ग
मलोट,पंजाब

तमिलनाडु के मदुरै कामराज विश्वविद्यालय में शोधकर्ताओं ने 2,500 साल पुरानी खोपड़ियों के चेहरे का डिजिटल पुनर्निर्माण किया है। उनका कहना है कि ये खोपड़ियां दो पुरुषों की हैं जो खोदाई के दौरान पुरातात्विक स्थल कीलाड़ी से लगभग चार किलोमीटर दूर कोंडगाई से निकाली गई थीं। उन खोपड़ियों में से एक दांत का उपयोग डिजिटल रूप से चेहरा बनाने के लिए किया गया है ताकि यह समझा जा सके कि इस क्षेत्र के लोग कैसे दिखते थे। कीलाडी एक पुरातात्विक स्थल है, जो तमिलनाडु के शिवगंगा जिले में स्थित है।

यहाँ संगम युग की शहरी सभ्यता के प्रमाण मिले हैं। इस स्थल से मिले साक्ष्यों, जैसे पक्की ईंटों से बने मकान,नालियां,मिट्टी के बर्तन और ब्राह्मी लिपि से पता चलता है कि लगभग 7,500 साल पहले यहां एक उन्नत और परिष्कृत शहरी जीवन मौजूद था। यह स्थान न केवल इतिहास के अध्ययन के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि भारतीय संस्कृति की क्षेत्रीय प्रकृति को भी दर्शाता है। तमिलनाडु राज्य पुरातत्व विभाग के अनुसार, कीलाडी में 580 ईसा पूर्व की एक शहरी सभ्यता का अस्तित्व था,जो भारतीय उपमहाद्वीप के इतिहास में एक नया आयाम जोड़ती है। यह खोज यह दर्शाती कि दक्षिण भारत में भी एक स्वतंत्र प्राचीन सभ्यता थी। कीलाही के लोग शिक्षित, कुशल और व्यापार में संलग्न थे। वे ईंट के घरों में रहते थे और लोगों की मृत्यु होने पर उन्हें बड़े बर्तनों में दफनाते थे। अब तक इस स्थल से लगभग 50 ऐसे बर्तन निकाले जा चुके हैं। बीबीसी में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, शोधकर्ता अब इन बर्तनों में मिलीं खोपड़ियों, हड्डियों और अन्य वस्तुओं से डीएनए निकालने का प्रयास कर रहे हैं ताकि कीलाडी के निवासियों की जीवनशैली को समझा जा सके। विश्वविद्यालय के आनुवंशिकी विभाग के प्रमुख प्रोफेसर जी. कुमारेसन का कहना है, हम अपने पूर्वजों की उत्पत्ति और प्रवास के तरीके को समझना चाहते हैं। खोपड़ियों के चेहरे का पुनर्निर्माण श्रीडी स्कैन से शुरू हुआ, जिसे लिवरपूल जान मूर विश्वविद्यालय के फेस लैब में भेजा गया। वहां विशेषज्ञों ने कंप्यूटर साफ्टवेयर का उपयोग करके मांसपेशियों, मांस और त्वचा को जोड़ा। हालांकि,रंग जोड़ना एक बड़ी चुनौती थी। प्रोफेसर कुमारेसन ने बताया कि रंगों का चयन वर्तमान तमिलनाडु के लोगों की शारीरिक विशेषताओं के अनुसार किया गया।

असुरक्षा बोध भारत के नेताओं के गहना

राहुल गांधी पर भाजपा के हमले की थीम बदल गई है। अब उनको शातिर,साजिशी और देश विरोधी बताने का अभियान चल रहा है। ध्यान रहे नरेंद्र मोदी और अमित शाह के भाजपा की कमान संभालने के बाद राहुल गांधी के खिलाफ जो व्यापक प्रचार अभियान चला उसकी थीम उनको पप्पू साबित करने की थी। भाजपा का हर नेता उनके लिए यही जुमला बोलता था। उनको नासमझ बताया जाता है। उनकी बुद्धि का मजाक उड़ाया जाता था। उनको जबरदस्ती राजनीति में उतारा गया नेता बताया जाता था। कांग्रेस छोड़ कर भाजपा में शामिल होने वाले हर नेता से राहुल गांधी के बारे में इस तरह के बयान दिलाए जाते थे,जिससे देश की जनता में यह संदेश जाए कि उनको कुछ नहीं आता है और वे बुद्धू हैं। इसके लिए उन कांग्रेस नेताओं को बड़े इनाम इकराम से नवाजा गया। इसके साथ ही प्रधानमंत्री अपने भाषणों में राहुल को शहजादे कह कर संबोधित करते थे। इसका भी मकसद यही मैसेज बनवाना था कि राहुल गांधी पप्पू हैं लेकिन चूंकि शहजादे हैं इसलिए कांग्रेस के इतने बड़े नेता बने हैं।लेकिन अब यह थीम बदल गई है। अब कोई राहुल गांधी को पप्पू नहीं कहता है। उनकी भारत जोड़ो यात्रा के समय से उनको लेकर नैरेटिव बदलने की शुरुआत हुई। इससे पहले एक और बड़ा बदलाव हुआ था। वह किसान आंदोलन के समय हुआ। उस समय भाजपा और केंद्र सरकार ने भारत के खिलाफ साजिश का नैरेटिव बनवाया था। दुनिया भर से भारत विरोधी टूलकिट के सक्रिय होने की चर्चा हुई थी। इसके बाद बड़े सहज तरीके से राहुल को इस टूलकिट से जोड़ा जाने लगा। भारत विरोधी इस टूलकिट के लिए एक नाम खोजा गया जॉर्ज सोरोस का। दावा किया गया कि राहुल गांधी अमेरिका के इस खरबपति कारोबारी के संपर्क हैं और उसके जरिए भारत को और भारत की सरकार को अस्थिर करने का प्रयास कर रहे हैं।लगभग उसी समय अर्बन नक्सल का सिद्धांत लाया गया, बौद्धिक व सामाजिक कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी शुरू हुई,भारत के खिलाफ साजिश के नैरेटिव को मेनस्ट्रीम किया गया और राहुल व कांग्रेस को उससे जोड़ दिया गया। सो, नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के लगभग एक दशक बाद भाजपा के मुताबिक राहुल गांधी पप्पू से बदल कर एक शातिर नेता बन गए हैं, ऐसे नेता जो देशविरोधी ताकतों से मिला हुआ है। इस नैरेटिव को भारत सरकार के वरिष्ठ मंत्री आगे बढ़ा रहे हैं। देश के एक बड़े न्यूज नेटवर्क को इंटरव्यू में केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने बिना किसी लागलपेट के कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस देश को अस्थिर करने की साजिश रचने वालों के साथ जुड़े हैं। रिजिजू ने दावा किया कि भारत सरकार को अस्थिर करने के लिए जॉर्ज सोरोस ने एक ट्रिलियन डॉलर का फंड रखा है। सोचें,एक ट्रिलियन डॉलर का मतलब है कि भारत का जितना जीडीपी है उसके एक तिहाई के बराबर फंड एक कारोबारी ने भारत को अस्थिर करने के लिए रखा है। इसके आगे रिंजिजू ने कहा कि अमेरिका,कनाडा,ब्रिटेन और कई वामपंथी संगठनों से जुड़ी खालिस्तानी ताकतें भारत विरोधी साजिश रच रही हैं, राहुल और कांग्रेस उनके साथ खड़े हैं।यह बात भारत सरकार का एक वरिष्ठ मंत्री कह रहा है। इसका मतलब है कि सरकार के पास ऐसी इनपुट है कि एक कारोबारी ने एक ट्रिलियन डॉलर यानी करीब 87 लाख करोड़ रुपए भारत को अस्थिर करने के लिए रखा हुआ है और कांग्रेस का उसके साथ संबंध है। अगर ऐसी कोई खुफिया सूचना है तो सरकार को उस पर तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए। अमेरिका के सामने यह मुद्दा उठाना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र संघ में इसे ले जाना चाहिए और भारत में जिन नेताओं को इस साजिश में शामिल होने की खबर है उन पर कार्रवाई करनी चाहिए। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। सिर्फ नैरेटिव बनाया जा रहा है। ऐसा लग रहा है कि राहुल को पप्पू साबित करने के नैरेटिव का लाभ लेने के बाद उनको देश विरोधी बता कर नया नैरेटिव बनाया जा रहा है। लोकप्रिय विमर्श में इस बात को स्थापित किया जा रहा है कि राहुल गांधी, कांग्रेस पार्टी और व्यापक रूप से समूचा विपक्ष देश विरोधी काम कर रहा है और अकेले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सबको रोकने की कोशिश कर रहे हैं। यह बात रिजिजू ने अपने इंटरव्यू में कही।उन्होंने कहा कि मोदीजी के होते किसी को कामयाबी नहीं मिलेगी। यह नैरेटिव देश के बौद्धिकों के लिए भी चलाया जा रहा है। केंद्र सरकार या राज्यों की भाजपा सरकारों के खिलाफ सवाल उठाने वालों को तुरंत देश विरोधी और साजिश रचने वाला बता दिया जाता है। जैसे अभी असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने किया है। उन्होंने चार सामाजिक कार्यकर्ता जाने माने वकील प्रशांत भूषण और पूर्व आईएएस अधिकारी हर्ष मंदर, जवाहर सरकार व वजाहत हबीबुल्ला पर आरोप लगाया है कि ये लोग असम में घूम रहे हैं और असम को अस्थिर करने की साजिश कर रहे हैं।

अजीत द्विवेदी

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

पिकअप चोरी के मामले में चोर और खरीदार सहित तीन आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
अंबिकापुर,31 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।

कोतवाली पुलिस ने पिकअप वाहन चोरी के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए चोर और खरीदार सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। सभी के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल दाखिल कर दिया गया। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम श्रीगढ़ निवासी अविनाश ताम्रकार से जुड़ा है। उसने 22 अगस्त को थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि रात के दौरान उसका सेकंड हैंड पिकअप वाहन क्रमांक सीजी 10 एबी 0473 को अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर लिया गया है। पुलिस ने तत्काल अज्ञात आरोपी के विरुद्ध धारा 303(2) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि अनिल पावले,पिता धनपाल पावले, उम्र 35 वर्ष,निवासी कपाट बहरी,थाना बतौली, उक्त चोरी की गई पिकअप को बभनी क्षेत्र की ओर बेचने की फिराक में है। पुलिस ने अनिल को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें उसने वाहन चोरी करने की बात स्वीकार की। पूछताछ में अनिल ने बताया कि उसने यह चोरी अपने साथी संदीप कुशवाहा,निवासी कोटराही, बसंतपुर के सहयोग से की थी। दोनों ने मिलकर वाहन को ग्राम चैनपुर, आसनडीह निवासी मुनेश कुमार कुशवाहा को 1.50 लाख रुपए में बेच दिया था। पुलिस ने तीनों आरोपियों–अनिल पावले, संदीप कुशवाहा और मुनेश कुमार कुशवाहा–को गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध उचित धाराओं में कार्रवाई करते हुए न्यायालय में प्रस्तुत किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है। कोतवाली पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में वाहन चोरी की घटनाओं पर लगाम लगने की उम्मीद जताई जा रही है। पुलिस मामले की आगे की विवेचना जारी रखे हुए है।

शिक्षिका ने 3 छात्राओं को डंडे से बेदम पीटा

एक के पैर में आया सूजन,डीईओ ने किया सस्पेंड

-संवाददाता-
अंबिकापुर,31 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।

बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के राजपुर ब्लॉक अंतर्गत प्राइमरी स्कूल की शिक्षिका ने 3 दिन पूर्व 3 छात्राओं की डंडे से पिटाई कर दी थी। छात्राओं का कसूर इतना था कि वे आपस में बातचीत कर रही थीं। पिटाई से 5वीं कक्षा की एक छात्रा के पैर में सूजन आ गया था। यह देख हेडमास्टर ने उसे अस्पताल में इलाज कराया। मामले की शिकायत पर बीईओ की जांच रिपोर्ट के आधार पर डीईओ ने शिक्षिका को सस्पेंड कर दिया है। मामला 28 अगस्त का बताया जा रहा है। राजपुर ब्लॉक के ग्राम पंचायत लाऊ के धमधमियापारा प्राइमरी स्कूल में पढ़ाई के दौरान 5वीं कक्षा की 3 छात्राएं आपस में बात कर रही थीं। यह देख सहायक शिक्षक एलबी ज्योति तिर्की गुस्सा हो गई। उसने तीनों छात्राओं की रूल वाले डंडे से पिटाई कर दी। डंडे के प्रहार से विशेष संरक्षित जनजाति की छात्रा मुनिका कोरवा पिता कोइरा राम 11 वर्ष के घुटने में सूजन आ गया और वह दर्द से कराहते हुए रोने लगी।

संभाग स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ,40 टीमों ने लिया हिस्सा

-संवाददाता-
अंबिकापुर,31 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।

संभाग स्तरीय नॉकआउट कम लीग फुटबॉल प्रतियोगिता 2025 का शुभारंभ 31 अगस्त को स्थानीय गांधी स्टेडियम में जिला फुटबाल संघ सरगुजा के तहत आयोजित किया गया। इस प्रतियोगिता में संभाग की 40 टीम भाग ले रही है। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि अंबिकापुर नगर निगम महापौर मंजूषा भगत एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर निगम के सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी थे। पहला मैच करंजी फुटबॉल क्लब विरूद्ध देवनगर फुटबॉल क्लब के मध्य खेला गया। प्रथम हाफ में टीम बराबर पर रही, दूसरे हाफ में करंजी ने लगातार 3 गोल कर देवनगर फुटबॉल क्लब को हराया। रेफरी विल्सन कुजूर, बाल साय, प्रकाश सिंह, अभियान तिवारी आयूषी दिवान, दिनेश जायसवाल और मैच कमिश्नर के रूप में आनंदधर दीवान मौजूद थे। इस प्रतियोगिता का मुख्य नेतृत्व प्रबोध मिंज जिला फुटबॉल संघ सरगुजा के अध्यक्ष एवं छत्तीसगढ़ फुटबॉल संघ के उपाध्यक्ष के नेतृत्व में कराया जा रहा है। इस दौरान नगर निगम के पार्षद शशिकांत जायसवाल, शिव मंगल सिंह, रजनीश सिंह सोमनाथ सिंह, जिला फुटबाल संघ सरगुजा के संरक्षक रविंद्र तिवारी, रमेश, मनोज कंसारी मंडल अध्यक्ष, पूर्व खिलाड़ी रामबहादुर लम्बा, राजेंद्र सिंह राणा, बिच्छू दादा, विवेक सिंह, संजय सिंह, राघवेंद्र सिंह, पूर्व सभापति नगर निगम अजय अग्रवाल, विनोद एक्का मौजूद थे।

आज का मैच

सोमवार को एक मैच खेला जाएगा। सूर्या क्लब विशुनपुर विरुद्ध कांति प्रकाशपुर के मध्य खेला जाएगा।

21 लीटर महुआ शराब के साथ महिला गिरफ्तार

-संवाददाता-
अंबिकापुर,31 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।

आबकारी उडऩ्दस्ता टीम ने शहर के दर्रीपारा से एक महिला को 21 लीटर महुआ शराब के साथ गिरफ्तार किया है। टीम ने महिला के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता को मुखबिर से सूचना मिली कि थाना मणिपुर अंतर्गत दर्रीपारा निवासी सरस्वती साहू अपने घर में भारी मात्रा में महुआ शराब बनाकर बिक्री कर रही है। सूचना पर सहायक जिला आबकारी अधिकारी ने टीम के साथ सरस्वती साहू के घर दबिश दी। घर की तलाशी लेने पर एक कमरे में दो भट्ठी पाई गई, जिसमें महुआ शराब बन रहा था। दूसरे कमरे में 4 प्लास्टिक के डब्बे में लगभग 100 किलोग्राम महुआ लहान बरामद किया गया। इसके अलावा घर से ही 21 लीटर महुआ शराब बरामद किया गया। आरोपिया सरस्वती साहू के खिलाफ छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) एवं 59 (क) के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया गया है।

नव नियुक्त प्राचार्य ने स्कूल में सीसीटीवी कैमरे के लिए पंचायत से की अपील

-संवाददाता-
अंबिकापुर,31 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।

शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सरहरी में नव नियुक्त प्राचार्य दिलीप तिवारी ने मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर विधिवत कार्यभार ग्रहण किया। विद्यालय परिवार, शाला समिति, सरहरी संकुल और ग्रामवासियों ने उनका स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय की छात्राओं द्वारा स्वागत गीत से हुई।

अपने उद्बोधन में प्राचार्य तिवारी ने कहा कि वे विद्यार्थियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम और अनुशासन को प्राथमिकता देंगे। उन्होंने बच्चों को शिक्षा, खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेकर विद्यालय और गांव का नाम रोशन करने की प्रेरणा दी।

उन्होंने ग्रामवासियों और पंचायत से विद्यालय में सीसीटीवी कैमरे की व्यवस्था हेतु सहयोग की अपील की, जिससे अनुशासन और शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाया जा सके।

कार्यक्रम का संचालन राज्यपाल पुरस्कृत व्याख्याता अजय कुमार चतुर्वेदी ने किया तथा आभार सहायक शिक्षक अविनाश तिवारी ने व्यक्त किया।

इस अवसर पर बीडीसी सदस्य कुंती शिवपाल, सरपंच मीनामति, शाला समिति अध्यक्ष राम शरण कुशवाहा, संकुल समन्वयक इन्द्रबलि कुशवाहा, शिक्षक, अभिभावक उपस्थित रहे।

बी-एड कोर्स में दाखिले के नाम पर पिता-पुत्र ने की ठगी,आरोपी गिरफ्तार

अंबिकापुर,31 अगस्त 2025 (घटती-घटना)। बी-एड की डिग्री दिलाने के नाम पर एक युवक ने अपने पिता के साथ मिलकर शहर के एक व्यक्ति से 40 हजार रुपये की ठगी कर ली। मामले में कोतवाली पुलिस ने आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, जबकि उसका पिता पहले से ही एक अन्य मामले में जेल में बंद है। पुलिस ने पूरे प्रकरण में जालसाजी और धोखाधड़ी के तहत कार्रवाई करते हुए आरोपियों के विरुद्ध अपराध दर्ज कर लिया है। मामला शहर के खैरबार रोड, चांदनी चौक मायापुर निवासी कैस मोहम्मद से जुड़ा है। प्रार्थी ने 25 जुलाई 2025 को कोतवाली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने बताया कि वर्ष 2022 में उसकी बेटी ने बी-एड एंट्रेंस परीक्षा दी थी। परीक्षा परिणाम के बाद वे उपयुक्त कॉलेज की तलाश में थे, तभी उनकी मुलाकात गांधीनगर थाना क्षेत्र के राइस मिल रोड निवासी करन सग्गर पिता सतीश सग्गर से हुई। करन ने खुद को कलिंगा यूनिवर्सिटी,रायपुर का ब्रोकर बताते हुए दावा किया कि वह उनकी बेटी का बी-एड कोर्स में एडमिशन करा सकता है। इसके एवज में 80 हजार रुपए की फीस बताई गई। बातचीत के बाद कैस मोहम्मद करन की बातों में आ गया और 40 हजार रुपए नकद राशि उसे दे दी।

नॉन अटेंडिंग सर्टिफिकेट का झांसा,फिर भेजा नकली मार्कशीट

राशि लेने के बाद जब कैस मोहम्मद ने अपनी बेटी के एडमिशन की जानकारी लेनी चाही, तो करन और उसके पिता सतीश सग्गर टालमटोल करने लगे। दोनों ने खुद का कॉलेज होने का दावा करते हुए नॉन अटेंडिंग सर्टिफिकेट देने की बात कही। एक साल बीतने के बाद करन सग्गर ने प्रार्थी को व्हाट्सएप पर कलिंगा यूनिवर्सिटी के नाम से दो सेमेस्टर की बी-एड मार्कशीट भेज दी, जो जांच में पूरी तरह फर्जी पाई गई। प्रार्थी ने जब यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पर जांच की तो वहां इस मार्कशीट का कोई रिकॉर्ड नहीं मिला। इस पर उसे ठगी का संदेह हुआ और उसने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए करन व सतीश के खिलाफ धारा 420, 120(बी),467,468,471 के तहत अपराध दर्ज किया।

पुलिस जांच में हुआ बड़ा खुलासा

कोतवाली पुलिस ने प्रार्थी व गवाहों के बयान दर्ज किए और व्हाट्सएप चैटिंग व नकली मार्कशीट का प्रिंटआउट जब्त किया। बाद में कलिंगा यूनिवर्सिटी से पुष्टि कराने पर पाया गया कि भेजी गई मार्कशीट पूरी तरह से फर्जी है। आरोपी करन ने भी पूछताछ में अपराध करना स्वीकार कर लिया।

पिता पहले से जेल में, अब बेटा भी पहुंचा सलाखों के पीछे

जांच के दौरान यह भी सामने आया कि आरोपी सतीश सग्गर पूर्व से ही किसी अन्य आपराधिक मामले में जेल में बंद है। अब उसके बेटे करन सग्गर को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने उसे आवश्यक कार्यवाही उपरांत न्यायालय में पेश किया,जहां से उसे न्यायिक रिमांड में जेल दाखिल कर दिया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले में आगे भी जांच जारी है और यदि और लोगों से ठगी की पुष्टि होती है, तो कार्रवाई की जाएगी।

रातभर चला सरगुजा पुलिस का सघन चेकिंग अभियान,8 वारंटियों की गिरफ्तारी

-संवाददाता-
अंबिकापुर,31 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।

जिले में कानून व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने एवं आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से सरगुजा पुलिस द्वारा देर रात सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार अग्रवाल के दिशा-निर्देशन में राजपत्रित अधिकारियों के नेतृत्व में यह अभियान विभिन्न थाना एवं चौकी क्षेत्रों में चलाया गया।

अभियान की शुरुआत रात 12 बजे से हुई, जो सुबह 5 बजे तक जारी रही। पुलिस टीमों ने कॉम्बिंग गश्त कर संदिग्ध व्यक्तियों, निगरानी बदमाशों, गुंडा बदमाशों और जिला बदर अपराधियों की औचक जांच की। इस दौरान 66 गुंडा बदमाश, 37 निगरानी बदमाश, 4 संदेही, एवं 17 पूर्व संपत्ति अपराधी की चेकिंग की गई। सभी बदमाश अपने निवास पर पाए गए, जिन्हें सख्त चेतावनी दी गई। पुलिस ने चेताया कि अपराध की पुनरावृत्ति करने वालों को गुंडा सूची में शामिल कर बॉन्ड ओवर की कार्रवाई की जाएगी।

वहीं बिना कारण रात में घूम रहे संदिग्धों और मुसाफिरों को रोककर पूछताछ की गई,फिर उन्हें छोड़ा गया। गश्त के दौरान बैंक,एटीएम,लॉज,ढाबों की भी जांच की गई। अभियान में बड़ी सफलता तब मिली जब पुलिस टीम ने छिपे हुए 1 स्थायी वारंटी और 7 गिरफ्तारी वारंटी,कुल 8 वारंटियों को उनके निवास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का यह अभियान आगे भी जारी रहेगा, ताकि जिले में अपराध और असामाजिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण बना रहे।

रेड़ नदी में तैरता मिला शव,परिवार का आरोप हुई हत्या जांच में जुटी पुलिस

-संवाददाता-
सूरजपुर,31 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।

जिले के चांदनी-बिहारपुर इलाके में रेड नदी के चपाटा घाट पर शनिवार शाम एक लाश मिलने से पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। मृतक की शिनाख्त मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले के पंडरी गांव निवासी शिवराज सिंह (उम्र करीब 50 साल) के रूप में हुई है। परिवार का सीधा आरोप- पैसों के लेन-देन में किसी ने बेरहमी से हत्या कर शव को नदी में ठिकाने लगा दिया। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार करते हुए जांच तेज कर दी है, लेकिन इलाके में दहशत का माहौल है। अबतक सामने आई जानकारी अनुसार बताया जा रहा है कि शिवराज सिंह 30 अगस्त की सुबह अपने गांव से चांदनी-बिहारपुर के खोड़ गांव के लिए निकले थे। वे ब्याज पर पैसा देने-लेने का धंधा करते थे और इसी सिलसिले में इलाके में आए थे। दिनभर परिवार वाले उनकी तलाश करते रहे, लेकिन शाम को रेड नदी में उनका शव तैरता मिला। स्थानीय लोगों ने शव देखा तो पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा।

परिवार का रो-रोकर बुरा हाल,बोले- दुश्मनी में मारा गया : मृतक के परिजनों ने बातचीत में गंभीर आरोप लगाए। उनका कहना है कि शिवराज का ब्याज के कारोबार से कई लोगों से विवाद चल रहा था। किसी ने साजिश रचकर हत्या की और शव को नदी में फेंक दिया। परिवार ने पुलिस से जल्द न्याय की गुहार लगाई है। सूत्रों के मुताबिक, मौत के असली कारणों का पता पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से चलेगा, लेकिन प्रारंभिक जांच में हत्या की आशंका से इनकार नहीं किया जा रहा।

दो जिलों की पुलिस अलर्ट,हर एंगल से जांच- घटना सूरजपुर और बलरामपुर जिले की सीमा पर हुई है, इसलिए दोनों जिलों की पुलिस टीम संयुक्त रूप से जांच में जुटी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मृतक के फोन रिकॉर्ड, संपर्कों और हाल की गतिविधियों को खंगाला जा रहा है। अगर हत्या साबित हुई तो आरोपियों की तलाश में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी।

ग्रामीणों में खौफ,बोले- जल्द खुलासा हो

शव मिलने की खबर फैलते ही चपाटा घाट पर सैकड़ों ग्रामीण जुट गए। इलाके में अफवाहों का बाजार गर्म है। स्थानीय लोग कहते हैं,ऐसी घटनाएं डराती हैं। पुलिस को जल्द सच सामने लाना चाहिए, वरना अपराधी बेखौफ हो जाएंगे। पूरे क्षेत्र में सनसनी फैली हुई है और लोग सतर्क हो गए हैं।

तेज रफ्तार बाइक माइलस्टोन से टकराई,युवक-युवती की मौत

-संवाददाता-
राजपुर,31 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। देर रात लगभग 2 बजे तेज रफ्तार स्पोर्ट्स बाइक सड़क किनारे लगे माइलस्टोन से टकरा गई। हादसा इतना भीषण था कि बाइक दो हिस्सों में टूट गई और उस पर सवार युवक-युवती सड़क से लगभग 50 फीट दूर खेत में जा गिरे। टक्कर की गंभीरता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि दोनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। यह घटना शंकरगढ़ थाना क्षेत्र के राजपुर-कुसमी मार्ग पर सरगांवा नाले के पास हुई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस पेट्रोलिंग टीम तुरंत मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को शंकरगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। हादसे के समय मृतकों के पीछे दूसरी बाइक पर भी युवक और युवती सवार थे। घटना देखकर वे भी मौके पर पहुंचे, लेकिन पुलिस को देखकर युवक वहां से भाग निकला।

वहीं युवती से पूछताछ में मृतकों की पहचान सामने आई। मृत युवक का नाम देवराज (21) निवासी बलरामपुर और युवती का नाम बिंदू टोप्पो (16) निवासी हर्राटोली बताया गया। दोनों अंबिकापुर से अपने गांव लौट रहे थे।

समरी पुलिस की कार्रवाई : चंगाई सभा के नाम पर हो रहा था धर्मांतरण,दो आरोपियों पर की जा रही कार्रवाई

-संवाददाता-
सामरी,31 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के समरी थाना क्षेत्र के इदरीपाठ गांव में रविवार को चंगाई सभा के नाम पर गुपचुप धर्मांतरण कराने की जानकारी पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की। ग्रामीणों की शिकायत पर पुलिस अनुविभागीय अधिकारी इमानुएल लकड़ा के साथ पुलिस की टीम ने दबिश देकर सभा को बीच में ही रुकवाया और कई संदिग्धों को हिरासत में लिया। पुलिस के अनुसार, इस तथाकथित सभा में लगभग 65 लोग मौजूद थे, जिनमें 30 महिलाएं और 35 पुरुष शामिल थे।

मौके पर धर्म परिवर्तन की प्रक्रिया की जा रही थी। पुलिस ने ढोल, मंजीरा,डफली जैसे वाद्ययंत्र भी जब्त किए हैं। थाना प्रभारी सामरी विजय प्रताप सिंह ने बताया कि मामले में ईश्वरीय लाल खलखो और घर मालिक इरनियूस बीरिजिया पर कार्रवाई की जा रही है। पूछताछ के लिए 6-7 लोगों को बुलाया गया है। जानकारी के अनुसार चंगाई सभा में यह भी सामने आया कि सभा में वन विभाग का कर्मचारी रामसाय खलखो,जो अपने कमर का इलाज कराने पहुंचे थे,तथा जनपद कर्मचारी अखिलेश तिर्की भी मौजूद थे।

घटना की जानकारी पर प्रदेश भाजयुमो छत्तीसगढ़ के मंत्री अंकुश सिंह भी मौके पर पहुंचे और पुलिस की कार्रवाई का जायजा लिया।

कोयला खदान में ट्रक चालक की फांसी से हड़कंप

-संवाददाता-
सूरजपुर,31 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।

आमगांव कोयला खदान परिसर में 37 वर्षीय ट्रक चालक मनोज जाट ने ट्रक में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। जांजगीर-चांपा निवासी मनोज पिछले 12 दिनों से खदान के बाहर कोयला लोडिंग की प्रतीक्षा में था, लेकिन कथित तौर पर एसईसीएल कर्मचारियों द्वारा रिश्वत न देने के कारण उसका ट्रक खड़ा रखा गया। हताश मनोज ने शनिवार रात ट्रक में फंदा लगाकर जान दे दी। रविवार सुबह उसका शव देखकर खदान परिसर में हड़कंप मच गया। वहीं दूसरी तरफ संभागीय ट्रक मालिक संघ के अध्यक्ष रविंद्र तिवारी ने बताया कि मनोज ने एसईसीएल कर्मचारियों से वाहन किश्त टूटने की गुहार लगाई थी, लेकिन उसकी बात अनसुनी कर दी गई। शनिवार को ट्रक को खदान के भीतर लिया गया, लेकिन तौल के बाद कोयला लोडिंग के बजाय किनारे खड़ा कर दिया गया। इससे मनोज गहरे अवसाद में चला गया।

ट्रम्प का जापान पर अमेरिकी चावल खरीदने का दबाव

नाराज जापानी डेलीगेशन ने दौरा रद्द किया,भारत पर भी मांसाहारी दूध खरीदने का दबाव था

टोक्यो,31 अगस्त 2025। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प जापान पर अमेरिकी चावल के लिए बाजार खोलने का दबाव बना रहे हैं। इस वजह से जापान के मुख्य वार्ताकार रयोसेई अकाजावा ने अमेरिका दौरा रद्द कर दिया है। निक्केई एशिया की रिपोर्ट के मुताबिक, अकाजावा 28 अगस्त को वॉशिंगटन डीसी का दौरा करने वाले थे,लेकिन ट्रम्प के अमेरिकी चावल खरीदने के दबाव के बाद उन्हें यह यात्रा रद्द करनी पड़ी। अमेरिका ने इसी तरह का दबाव भारत पर भी बनाया था। अमेरिका चाहता था कि भारत उनकी मांसाहारी गायों का दूध खरीदे। साथ ही उनके किसानों के लिए भारत अपना मार्केट ओपन करे। लेकिन भारत ने इससे साफ इनकार कर दिया था। इससे बाद अमेरिका ने भारत पर 25% टैरिफ लगा दिया था, जो बाद में बढ़कर 50% तक पहुंच गया।

अमेरिका से टैरिफ घटने की उम्मीद नहीं,इसलिए यात्रा रद्द

निक्की एशिया के मुताबिक अकाजावा चाहते थे कि उनकी यात्रा से अमेरिका से यह लिखित वादा मिल जाए कि जापानी उत्पादों पर टैरिफ घटेगा, लेकिन जब यह साफ हो गया कि ऐसा नहीं होगा, तो उन्होंने यात्रा रद्द कर दी। कई सरकारी अधिकारियों ने निक्केई एशिया से कहा कि ट्रम्प ने जापान पर दबाव डालकर पहले उससे टैरिफ कम कराया और फिर कृषि उत्पादों का आयात बढ़ाने की शर्त रखी। इसके बदले में जापान को उम्मीद थी कि अमेरिका ऑटोमोबाइल पर टैरिफ का बोझ कम करेगा, लेकिन ट्रम्प की तरफ से इसे लेकर कोई ठोस भरोसा नहीं मिला। जापान का कहना है कि अमेरिका का रवैया उसकी घरेलू नीतियों में हस्तक्षेप है। अकाजावा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि अभी कई मुद्दे ऐसे हैं जिन पर अधिकारियों के स्तर पर और बातचीत की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जब तक वार्ता आगे बढ़ती रहेगी, वे अमेरिका की यात्रा टाल रहे हैं, लेकिन संभव है कि भविष्य में फिर से जाएं।

जापान चावल कोटा में 75% बढ़ोतरी पर सहमति दे चुका है : रिपोर्ट के मुताबिक अगर जापान, अमेरिका से चावल की खरीद बढ़ाता है तो इससे उसके किसानों को नुकसान हो सकता है। इससे कृषि समुदाय नाराज भी हो सकता है। इस बीच व्हाइट हाउस ने दावा किया कि जापान ने जुलाई में ही अमेरिकी चावल के आयात कोटा में 75% बढ़ोतरी पर सहमति दे दी थी। बाद में जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा ने साफ कहा कि उनका देश अमेरिकी दबाव में अपने किसानों के हितों का बलिदान नहीं करेगा।

अमेरिका-जापान को एक दूसरे पर भरोसा नहीं

एक्सपर्ट्स का मानना है कि जापान और अमेरिका की बातचीत में मुख्य समस्या एक-दूसरे पर भरोसा न करना है। अमेरिका चाहता है कि जापान अपने 550 अरब डॉलर के इन्वेस्टमेंट के वादे को लिखित समझौते में बदले। वहीं, जापान कह रहा है कि अगर उसे लिखित गारंटी चाहिए तो अमेरिका को भी यह लिखकर देना होगा कि जापानी ऑटो पर 15% टैरिफ तुरंत लागू नहीं होगा। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से जापान और अमेरिका करीबी सहयोगी बने हुए हैं। 1951 में हुई सुरक्षा संधि के तहत अमेरिका जापान की रक्षा की जिम्मेदारी निभाता है, जबकि जापान एशिया में अमेरिकी रणनीतिक उपस्थिति का अहम हिस्सा है।

ईस्ट लंदन में गणपति विसर्जन के बाद सामुदायिक केंद्र में आग,इमारत जलकर खाक

लंदन,31 अगस्त 2025। ईस्ट लंदन के इलफोर्ड इलाके में स्थित एक हिंदू सामुदायिक केंद्र में शनिवार रात भीषण आग लग गई। यह वही जगह है जहां दिन में गणपति विसर्जन से जुड़ा आयोजन हुआ था। घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है, लेकिन इमारत को गंभीर नुकसान पहुंचा है।

कैसे लगी आग?

श्री सोरठिया प्रजापति कम्युनिटी सेंटर,जो क्लिवलैंड रोड पर मौजूद है,गणपति विसर्जन कार्यक्रम के लिए सजाया गया था। यहां भक्त बड़ी संख्या में इकट्ठा हुए थे। स्थानीय रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि आतिशबाजी आग की वजह हो सकती है, लेकिन पुलिस ने कहा है कि अब तक कोई सबूत नहीं मिला कि यह आग जानबूझकर लगाई गई थी। मेट्रोपॉलिटन पुलिस प्रवक्ता ने कहा, इस हादसे में कोई घायल नहीं हुआ, लेकिन इमारत को बड़ा नुकसान हुआ है। जांच चल रही है और शुरुआती जांच में आगजनी का कोई संकेत नहीं मिला है।

फायर ब्रिगेड की त्वरित कार्रवाई

लंदन फायर ब्रिगेड के अनुसार उन्हें आग की सूचना मिली। जब दमकलकर्मी पहुंचे,तब तक इमारत पूरी तरह आग की लपटों में घिर चुकी थी। करीब 40 फायर फाइटर्स और 6 फायर इंजनों ने आग पर काबू पाया। डैगनहैम स्टेशन से एक 32-मीटर ऊंचा टर्नटेबल लैडर भी बुलाया गया, जिससे ऊपर से पानी डालकर आग बुझाई गई। रात 9 बजकर 21 मिनट तक आग पूरी तरह नियंत्रण में आ गई। दमकल विभाग को आग की सूचना देने के लिए करीब 14 अलग-अलग कॉल्स आई थीं।

स्थानीय नेताओं की प्रतिक्रिया

भारतीय मूल के सांसद जस अथवाल (लेबर पार्टी, इलफोर्ड साउथ) ने सोशल मीडिया पर दमकल कर्मियों को धन्यवाद दिया। उन्होंने लिखा, सामुदायिक केंद्र में लगी आग बुझा दी गई है। बहादुर दमकल कर्मियों का आभारी हूं, जिनकी तेजी से कार्रवाई ने समुदाय को सुरक्षित रखा। रेडब्रिज काउंसिल के नेता ने भी आसपास के निवासियों से इलाके से दूर रहने की अपील की। उन्होंने बताया कि पड़ोसी इमारतों को एहतियातन खाली कराया गया है।

इलाके में पहले भी आगजनी की घटना

इस आग ने स्थानीय लोगों की चिंता और बढ़ा दी, क्योंकि पिछले सप्ताह ही इसी इलाके (गैंट्स हिल, इलफोर्ड) में एक भारतीय रेस्टोरेंट इंडियन अरोमा में आगजनी की घटना हुई थी। उस घटना में पांच लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। पुलिस ने उस मामले में 15 साल के एक लड़के और 54 साल के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

इस्राइली रक्षामंत्री का बड़ा दावा

हमास के सशस्त्र विंग के प्रवक्ता अबू उबैदा को उतारा मौत के घाट

तेल अवीव,31 अगस्त 2025। इस्राइल ने दावा किया है कि गाजा में हमास के सशस्त्र धड़े का प्रवक्ता अबू उबैदा मारा गया है। इस्राइल के रक्षामंत्री इस्राइल कैट्ज ने रविवार को घोषणा की कि सप्ताहांत में उबैदा को निशाना बनाकर मार दिया गया। हालांकि हमास की ओर से इस दावे की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि अबू उबैदा पर हमला किया गया था, लेकिन यह साफ नहीं है कि वह मारा गया या नहीं। उन्होंने कैबिनेट बैठक में कहा कि हमास की ओर से इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। अबू उबैदा लंबे समय से हमास की सैन्य इकाई क़साम ब्रिगेड्स का चेहरा रहे हैं और उनके खिलाफ पहले भी कई बार कार्रवाई की गई थी।

गाजा सिटी को युद्ध क्षेत्र घोषित : अबू उबैदा का आखिरी बयान आया था जब इस्राइल ने गाजा सिटी को युद्ध क्षेत्र घोषित करते हुए सैन्य अभियान का नया चरण शुरू किया था। इस्राइल की सेना का कहना है कि इस अभियान का उद्देश्य हमास की सैन्य क्षमता को खत्म करना है, ताकि सात अक्टूबर 2023 जैसे हमलों को दोबारा होने से रोका जा सके।

दर्जनों फलस्तीनी नागरिकों की मौत : स्थानीय अस्पतालों ने बताया है कि अब तक गाजा सिटी में कम से कम 43 फलस्तीनी मारे गए हैं। शिफा अस्पताल ने कहा कि उसकी मोर्चरी में 29 शव लाए गए, जिनमें से 10 लोग मदद लेने की कोशिश में मारे गए थे। रविवार सुबह अस्पतालों ने 11 और मौतों की पुष्टि की। अल-अवदा अस्पताल ने कहा कि इनमें से सात नागरिक थे जो सहायता पाने की कोशिश कर रहे थे।

'डेथ ट्रैप' बना नेटजारिम कॉरिडोर : गवाहों ने बताया कि इस्राइली सैनिकों ने नेटजारिम कॉरिडोर में भीड़ पर गोली चलाई। यह इलाका इस्राइली सेना के नियंत्रण में है और गाजा को बीच से काटता है। नुसेरत के रहने वाले राग़िब अबू लेबदा ने कहा–हम भोजन लेने गए थे, लेकिन हमें गोलियों से जवाब मिला। यह मौत का जाल है। पिछले हफ्तों में इसी कॉरिडोर में कई लोग सहायता काफिलों तक पहुंचने की कोशिश में मारे गए हैं। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक एक अगस्त से अब तक करीब 65,000 लोग अपने घर छोड़ चुके हैं। केवल पिछले हफ्ते में 23,000 से ज्यादा लोगों ने पलायन किया है। युद्ध शुरू होने के बाद से गाजा की 90 फीसदी से अधिक आबादी एक बार से ज्यादा विस्थापन झेल चुकी है। कई लोग अस्थायी शिविरों में रह रहे हैं और लगातार मदद की गुहार लगा रहे हैं। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया है कि पिछले 24 घंटे में सात वयस्कों की मौत कुपोषण और भूख से हुई है। मंत्रालय के अनुसार जून से अब तक कुल 215 वयस्कों की मौत भूख से हुई है। इसके अलावा अक्टूबर 2023 से अब तक 124 बच्चों की मौत भी इसी वजह से हुई है। गाज़ा में युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक कम से कम 63,371 फलस्तीनी मारे जा चुके हैं। इनमें से आधे से ज्यादा महिलाएं और बच्चे हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि यह आंकड़े उसके अस्पतालों और डॉक्टरों से मिले हैं।

इंडोनेशिया में सांसदों की सैलरी बढ़ने पर प्रदर्शन

संसद जलाई,डिलीवरी बॉय की मौत से और बिगड़े हालात

जकार्ता,31 अगस्त 2025। इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता समेत देश के कई हिस्सों में सांसदों की तनख्वाह बढ़ाने के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन तेज हो गए हैं। प्रदर्शनकारियों ने शुक्रवार रात मकासर शहर की क्षेत्रीय संसद में आग लगा दी। हाल ही में इंडोनेशियाई पुलिस के वाहन ने मोटरसाइकिल से जा रहे डिलीवरी बॉय को कुचल दिया था, जिससे उसकी मौत हो गई थी। इसके बाद हालात और ज्यादा बिगड़ गए। उग्र प्रदर्शनों को देखते हुए इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने शनिवार को अपनी चीन यात्रा रद्द कर दी। उन्हें 3 सितंबर को चीन में विक्ट्री डे समारोह में जाना था, जो सेकेंड वर्ल्ड वॉर खत्म होने की 80वीं सालगिरह पर आयोजित होता है। प्रबोवो के प्रवक्ता ने कहा कि राष्ट्रपति देश की हालात पर खुद नजर रखना चाहते हैं और इन हालातों को बेहतर तरीके से मैनेज करना चाहते हैं। इसलिए उन्होंने चीन सरकार से माफी मांगी कि वे उनके बुलावे पर नहीं जा पाएंगे। इन हिंसक विरोध-प्रदर्शन में अब तक 3 लोगों की मौत हो गई और 5 लोग घायल हो गए। लोगों ने सरकारी अधिकारियों और उन्हें मिलने वाली सुविधाओं के खिलाफ प्रदर्शन तेज कर दिया है। ड्राइवर की मौत के मामले में 7 अधिकारियों को हिरासत में लिया गया है। इन प्रदर्शनों में 200 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने मामले की जांच के आदेश दिए और मृत ड्राइवर के परिवार से मुलाकात की।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर संडे ऑन साइकिल रैली का आयोजन

महापौर श्रीमती मंजूषा भगत एवं सभापति ने हरी झंडी दिखाकर किया शुभारंभ

-संवाददाता-
अंबिकापुर,31 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।
राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम श्रृंखला के अंतिम दिन आज प्रातः 7:30 बजे संडे ऑन साइकिल साइकिल रैली का आयोजन किया गया। यह रैली शहर के प्रमुख स्थल घड़ी चौक से प्रारंभ हुई, जिसमें बड़ी संख्या में शहरवासी, खिलाड़ी, जिला प्रशासन एवं विभागीय कर्मचारी उत्साहपूर्वक शामिल हुए। रैली का शुभारंभ नगर निगम महापौर श्रीमती मंजूषा भगत एवं निगम सभापति द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। इस दौरान उन्होंने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि साइकिलिंग स्वस्थ जीवन, पर्यावरण संरक्षण और फिटनेस का सबसे सरल और प्रभावी साधन है।

उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे फिटनेस को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। रैली में शामिल प्रतिभागी फिट इंडिया मूवमेंट के संदेश के साथ शहर की प्रमुख मार्गों से गुजरे और लोगों को फिटनेस रोज़ का संदेश दिया। बच्चों, युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों तक सभी आयु वर्ग के लोगों ने इसमें सक्रिय भागीदारी की।

इस अवसर पर जिला प्रशासन के अधिकारी, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के प्रतिनिधि, नगर निगम के जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे। रैली के अंत में प्रतिभागियों को स्वास्थ्य एवं फिटनेस के महत्व पर जागरूक किया गया और नियमित रूप से साइकिलिंग जैसी गतिविधियों को अपनाने का संकल्प दिलाया गया।

अपहरण एवं फिरौती के मामले में एक और आरोपी हुआ गिरफ्तार

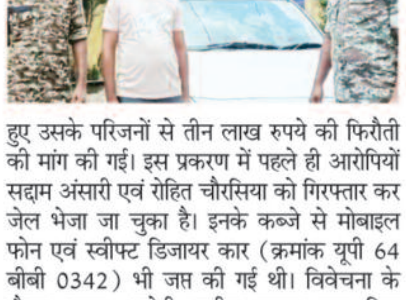

-संवाददाता-
बसंतपुर/ बलरामपुर,31 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।
बलरामपुर जिले के थाना बसंतपुर पुलिस ने अपहरण और फिरौती मांगने के मामले में एक अन्य आरोपी को उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार कर जेल भेजा। जानकारी के अनुसार दिनांक 08 अगस्त 2025 को प्रार्थी बृजेश सिंह ने थाना बसंतपुर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसके भाई विजयलाल मरकाम का अज्ञात व्यक्तियों द्वारा अपहरण कर लिया गया है। रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 150/2025 धारा 140(1), 58, 61, 127(7), 3(5) बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पुलिस ने अपहृत युवक विजयलाल मरकाम को मोबाइल लोकेशन के आधार पर उत्तर प्रदेश के बिजपुर थाना क्षेत्र से सुरक्षित बरामद किया। पूछताछ में पीड़ित ने बताया कि आरोपी राकेश उर्फ बिल्लू यादव, पंकज मिश्रा, सद्दाम अंसारी, विजय गुप्ता, तथा रोहित चौरसिया द्वारा उसे बहला-फुसलाकर गाड़ी में बैठाया गया और बिजपुर ले जाकर लगातार घूमाते हुए उसके परिजनों से तीन लाख रुपये की फिरौती की मांग की गई। इस प्रकरण में पहले ही आरोपियों सद्दाम अंसारी एवं रोहित चौरसिया को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। इनके कब्जे से मोबाइल फोन एवं स्वीफ्ट डिजायर कार (क्रमांक यूपी 64 बीबी 0342) भी जप्त की गई थी। विवेचना के दौरान फरार आरोपी सतीश कुमार गुप्ता पिता भोलानाथ गुप्ता उम्र 39 वर्ष निवासी बिजपुर थाना बिजपुर जिला सोनभद्र (उ.प्र.) को उसके सकुनत से हिरासत में लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म स्वीकार करते हुए बताया कि वह भी पंकज मिश्रा एवं सद्दाम अंसारी के साथ अपहरण की घटना में शामिल था।

किसानों को बड़ी राहत,मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े की सख्ती से खाद की कालाबाजारी पर लगाम

-संवाददाता-
सूरजपुर,31 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।
महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने किसानों के हित में एक बार फिर अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है। सूरजपुर जिले में यूरिया और अन्य खाद की कालाबाजारी रोकने के लिए उन्होंने कलेक्टर एस. जयवर्धन को सख्त निर्देश दिए हैं। मंत्री ने पारदर्शी और समयबद्ध खाद वितरण सुनिश्चित करने पर जोर दिया, ताकि किसानों को खरीफ सीजन में किसी तरह की परेशानी न हो। उनकी इस त्वरित और किसान हितैषी कार्यशैली ने जिले के अन्नदाताओं में नई उम्मीद जगाई है।

खाद की पर्याप्त उपलब्धता, नैनो उर्वरक का लाभ : मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में प्रदेश में खरीफ सीजन के लिए 14.62 लाख मीट्रिक टन खाद के लक्ष्य के मुकाबले 15.64 लाख मीट्रिक टन का भंडारण किया गया है। इसमें से 13.19 लाख मीट्रिक टन खाद, जिसमें 6.39 लाख मीट्रिक टन यूरिया शामिल है, किसानों को वितरित हो चुका है। इसके अलावा, 5.30 लाख बोतल नैनो उर्वरक का भंडारण कर 4.18 लाख बोतलें किसानों तक पहुंचाई गई हैं। सूरजपुर जिले में भी यूरिया, खाद और बीज की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की गई है।

नैनो उर्वरक : लागत कम, उत्पादन ज्यादा : कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार, नैनो उर्वरक का उपयोग न केवल फसल उत्पादन बढ़ाता है, बल्कि खेती की लागत को कम करने और पर्यावरण संरक्षण में भी मदद करता है। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने इसकी महत्ता को रेखांकित करते हुए कहा, किसानों को समय पर और गुणवत्तापूर्ण खाद उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। नैनो उर्वरक जैसे नवाचारों से किसानों की आय बढ़ेगी और खेती अधिक टिकाऊ होगी।

कालाबाजारी पर सख्ती किसानों के लिए संवेदनशील रवैया

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने स्पष्ट किया कि खाद की कालाबाजारी को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उनकी सख्ती और किसान हितों के प्रति संवेदनशील रवैये ने जिले में प्रशासन को तत्पर कर दिया है। कलेक्टर को दिए गए निर्देशों के तहत जिले में खाद वितरण की निगरानी तेज कर दी गई है, ताकि हर किसान को उसका हक समय पर मिले। बहरहाल मंत्री की इस सक्रियता से सूरजपुर जिले के किसानों में उत्साह है। उनकी कार्यशैली न केवल प्रशासनिक दक्षता को दर्शाती है, बल्कि यह भी साबित करती है कि सरकार किसानों के कल्याण के लिए हर कदम पर उनके साथ है।

क्या डॉक्टर अपनी शक्तियों का गलत उपयोग कर सरकार को भी झुकने मजबूर करने का रखते हैं माद्दा ?

- गलती करे डॉक्टर और आलोचना का शिकार हो मंत्री,आलोचना से बचने के लिए निकली गई नई तरकीब...
- शासन से लेंगे वेतन और नहीं देंगे अपनी बेहतर सेवा,क्या इस जिद के साथ डॉक्टर अस्पतालों में है कार्यरत ?
- स्वास्थ्य मंत्री ने अस्पतालों से संबंधित डॉक्टर व कर्मचारी का मोबाइल नंबर अस्पताल के बाहर चस्पा कराया...
- हर चीजों के लिए मंत्री को जिम्मेदार नहीं मान सकते क्योंकि लापरवाही सरकारी वेतन पाने वाले की भी होती है...

-रवि सिंह-

एमसीबी,31 अगस्त 2025 (घटती-घटना)। प्रदेश में स्वास्थ्य विभाग से जुड़ी कई खामियां लगातार सामने आ रही हैं,खामियों का सीधा आरोप भी सरकार सहित स्वास्थ्य विभाग पर लग रहा है और इस बीच स्वास्थ्य मंत्री आरोप से बरी हैं ऐसा नहीं है लोग उन्हें भी स्वास्थ्य व्यवस्था की खामियों का जिम्मेदार बताने से पीछे नहीं हट रहे हैं और यह सब कुछ लगातार जारी है, इस बीच स्वास्थ्य मंत्री ने सभी सरकारी अस्पतालों में यह निर्देशित किया है कि वहां कार्यरत साथ ही जिम्मेदार लोगों के मोबाइल नम्बर अस्पताल के सामने चस्पा किए जाएं, जिससे मरीज और उसके साथ इलाज में सहयोगी बनकर आए किसी परिजन को दिक्कत परेशानी कम से कम इलाज संबंधी न हो। सभी जगह आदेश जारी होने उपरांत उसका पालन भी होने लगा है और स्वास्थ्य मंत्री के गृह जिले में भी इसका पालन हो रहा है लेकिन सवाल यह है कि क्या ऐसा करने से मोबाइल नंबर जारी हो जाने मात्र से ही सरकारी अस्पतालों की व्यवस्था सुदृढ़ हो जाएगी और सबकुछ सुधर जाएगा? मरीजों को और उसके साथ आए सहयोगी परिजनों को दिक्कतों से छुटकारा मिल जाएगा? यदि इस सवाल पर विचार किया जाए तो यह संभव नहीं? क्योंकि सरकारी अस्पतालों के डॉक्टर जबतक निष्ठावान नहीं होंगे अपने कर्तव्य के प्रति कोई निर्देश कोई कड़ाई कोई आदेश व्यवस्था सुधार के लिए कारगर नहीं होगा और सब कुछ पहले जैसा ही नजर आएगा और जो जैसा चल रहा है वह जारी रहेगा।

बता दें की सरकारी अस्पतालों में पदस्थ कार्यरत डॉक्टर समय अनुसार केवल अस्पताल में आना जाना मात्र करते हैं कुछ डॉक्टरों को छोड़ दें जिन्हें अपवाद कहा जा सकता है तो अधिकाशं को अपनी निजी प्रेक्टिस के बाद जो समय बच जाता है उसी हिसाब से वह अस्पतालों में पहुंचते हैं,समय उपरांत जो अस्पताल में डॉक्टरों के आने का डॉक्टर निजी प्रेक्टिस को ज्यादा या यह कहें केवल तवज्जो देते हैं और वह किसी भी परिस्थिति में अस्पताल कार्यविधि के बाद अस्पताल जाकर सेवा प्रदान करने की मंशा नहीं रखते, हां किसी प्रभावशाली की बात को यदि छोड़ दिया जाए तो। डॉक्टरों को लेकर सरकार और विभाग भी काफी संयम से काम लेता है क्योंकि डॉक्टर ज्यादा दबाव में काम करने की परिस्थितियों में सरकार पर काम छोड़कर जाने जैसा भी दबाव बनाते हैं चूंकि ऐसे में लोगों की जान का सवाल खड़ा हो जाता है सरकार को भी कहीं न कहीं झुकाना पड़ जाता है। देखा जाए तो सरकारी अस्पताल भले ही सरकार के स्वास्थ्य विभाग द्वारा शासकीय रूप से संचालित है लेकिन यह ऐसा विभाग है जहां दबाव डालकर काम ले पाना काफी कठिन काम है। किसी भी प्रदेश की बात करें यह हर जगह सामने आता है कि स्वास्थ्य विभाग और स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं कठिनाइयों से जुड़ी खबरें सामने आती रहती हैं और ऐसा केवल इसलिए है क्योंकि चिकित्सा क्षेत्र में लाभ उद्देश्य ज्यादा होता है सेवा उद्देश्य कम,निजी अस्पतालों में चूंकि चिकित्सक ही संचालक होता है और वह हर स्थिति में अपने अस्पताल को तैयार रखता है जिससे सरकारी और निजी अस्पतालों की तुलना में निजी हमेशा बेहतर पाए जाते हैं, सरकारी स्वास्थ्य विभाग में डॉक्टर जिस दिन अस्पताल को अपना मान लेगा अस्पतालों की व्यवस्था बेहतर हो जाएगी यह कहना कहीं से गलत नहीं होगा।

वेतन सरकार से और सेवा निजी क्लिनिक में,यह व्यवस्था ही सरकारी अस्पतालों की दुर्दशा का कारण

सरकारी अस्पतालों की दुर्दशा का सबसे बड़ा कारण यह है कि वहां कार्यरत डॉक्टर सरकारी अस्पताल से ज्यादा निजी क्लिनिक में समय देते हैं वहां समर्पित नजर आते हैं,सरकारी अस्पताल में वह इतना ही जाना पसंद करते हैं जिससे उनका महीने का वेतन प्राप्त हो सके। इन डॉक्टरों का मनोबल बढ़ने के पीछे का कारण भी ज्यादातर यह है कि जो लोग व्यवस्था सुधार के लिए आवाज उठा सकते हैं वह ऐसे डॉक्टरों से घर में जाकर निःशुल्क इलाज करा लेते हैं और डॉक्टरों को यह आभास हो जाता है कि उनकी आलोचनाओं और उनके विरोध को वह इस तरह रोक चुके हैं जिसमें वह विरोध करने वाले और आलोचना कर सकने वाले लोगों का वह इलाज घर पर निशुल्क कर रहे हैं जिससे वह विरुद्ध नहीं जायेंगे उनके।

मोबाइल नंबर जारी होने मात्र से क्या होगा व्यवस्था में सुधार,क्या शिकायत नंबर की आवश्यकता नहीं पड़ने वाली ?

प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री ने सरकारी अस्पतालों में अब नंबर चस्पा करना अनिवार्य कर दिया है,यह उनके नंबर होंगे जो जिम्मेदार हैं किसी अस्पताल के,अब इन नंबरों से मरीज और उसके साथ सहयोगी बनकर गए परिजन सीधा संपर्क कर पाएंगे जिम्मेदार से अस्पताल के जिनसे उन्हें उचित चिकित्सा या सुविधा मिल सके। वैसे सवाल यह है कि संपर्क नंबर तो उपलब्ध करा दिया गया है लेकिन यदि संपर्क नंबर वाले ने संपर्क के दौरान फोन नहीं उठाया मदद नहीं की तो ऐसे में ऐसा करने वाले पर जिम्मेदारी कैसे तय होगी, क्या इसके लिए यह आवश्यक नहीं हो जाता कि एक शिकायत नंबर भी जारी किया जाए जिस पर वह लोग शिकायत करें जिनको सुविधा जिम्मेदारों ने प्रदान नहीं की। कुल मिलाकर केवल नंबर जिम्मेदार का उपलब्ध कराया जाना ही काफी नहीं होगा,स्वास्थ्य मंत्री इसके अतिरिक्त शिकायत नंबर भी जारी करें जो जिम्मेदारी तय करे और एक भय भी जिम्मेदार महसूस करें। अभी तो मोबाइल नंबर अस्पताल के बाहर चस्पा किए जा चुके हैं अब शिकायत नंबर भी जारी किया जाए तो निश्चित ही सुविधा में सुधार नजर आएगा।

क्या डॉक्टर सरकार को खुद के सामने झुकाने का रखते हैं माद्दा,उनकी काबिलियत सरकार को झुकने करती है मजबूर ?

लगातार यह देखने को मिलता है और ऐसी शिकायत सामने आती है कि सरकारी अस्पतालों की स्थिति अच्छी नहीं है और कई बार इलाज के अभाव में गंभीर बीमारी या दुर्घटना में घायल मरीज की मृत्यु हो जाती है या उन्हें रेफर किया जाता है, ऐसा होने के पीछे की वजह यह होती है कि अस्पतालों में सुविधा का आभाव है यह कहना हर मामले में सही है ऐसा नहीं है, अधिकांश बार ऐसा होने के पीछे की वजह डॉक्टरों की और अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही होती है, लापरवाही पर विभाग कार्यवाही भी करता है लेकिन ऐसी कार्यवाही नहीं हो पाती जो नजीर बन सके और व्यवस्था हमेशा के लिए सुधर सके। किसी बड़ी कार्यवाही के नहीं होने के पीछे का कारण यह माना जाता है कि डॉक्टरों खासकर विशेषज्ञ डॉक्टरों की नाराजगी विभाग और सरकार नहीं लेना चाहते क्योंकि यदि वह नाराज हुए किसी तरह जारी स्वास्थ्य सुविधाएं प्रभावित हो जाएंगी और स्वास्थ्य व्यवस्था का बुरा हाल हो जाएगा। अब सवाल यह है कि क्या सच में डॉक्टर सरकार और विभाग को खुद के सामने झुकाने का माद्दा रखते हैं और उनकी काबिलियत इसकी वजह है? वैसे यह कहना गलत नहीं है कि डॉक्टरों के मामले में सरकार और विभाग कुछ नरम पड़ती है क्योंकि उनकी नाराजगी स्वास्थ्य विभाग के लिए उचित नहीं होगी।

गलतियां अस्पताल के डॉक्टरों और कर्मचारियों की आलोचना सरकार और मंत्री की,यह परंपरा...

स्वास्थ्य विषयों में सरकारी अस्पतालों की बदत्तर हालत विषय में हमेशा आलोचना सरकार और विभागीय मंत्री की होती है जबकि हर सुविधा उपलब्ध होने उपरांत भी ऐसी स्थिति के लिए सीधे सरकार और मंत्री जिम्मेदार नहीं कहे जा सकते। सरकार और मंत्री केवल सुविधाओं की प्रदायता तय कर सकते हैं कड़े निर्देश वह अस्पताल संचालन के लिए जारी कर सकते हैं। अस्पताल में मरीजों को और उनके साथ आए सहयोगी साथी को कोई दिक्कत इलाज में न हो यह जिम्मेदारी डॉक्टरों सहित कर्मचारियों की होती है। वैसे आलोचना एक परम्परा है और एक तरह से यह एक चुनी सरकार के प्रति विपक्ष का एक जन आक्रोश उत्पन्न करने का हथियार भी है जिसका इस्तेमाल होता रहता है, व्यवस्था सुधारने केवल आलोचना ही कारगर साबित होने वाला है ऐसा नहीं है इसके लिए अस्पताल में कार्यरत डॉक्टरों सहित कमर्चारियों के अंदर सेवाभाव का होना ज्यादा आवश्यक है जिसके लिए उन्हें प्रेरित करने का काम आलोचक भी कर सकते हैं।

DISTRICT HOSPITAL M.C.B (C.G.) DOCTOR'S LIST

S.N.	Officer/Employee Name	Post Name	Posting Place	Mobile Number	Regular/NHM/JDS/DMF/ Other's	REMARK
1	DR.RAJENDRA ROY	CIVIL SURGEON CUM HOSPITAL SUPRITANDANT	DH CHIRIMIRI (MCB)	7987178071	REGULAR	
2	DR.RAJENDRA BANSARIYA	ORTHO SPECIALIST	DH CHIRIMIRI (MCB)	9425212167	REGULAR	
3	DR. ABHISHEK TIWARI	PAEDIATRICIAN	DH CHIRIMIRI (MCB)	7982057084	REGULAR	
4	DR. SASHIKANT	PAEDIATRICIAN	DH CHIRIMIRI (MCB)	9425870070	NHM	
5	DR.VIDHYASHREE CHAUBEY	OBGY& GYNECOLOGIST, SONOGRAPHY	DH CHIRIMIRI (MCB)	9981629909	REGULAR	
6	DR.USHA PREMA LAKRA	GEN.SURGEON	DH CHIRIMIRI (MCB)	9424182505	REGULAR	
7	DR ANIL KHAPDRE	ANESTHESIOLOGIST	DH CHIRIMIRI (MCB)	9425103322	NHM	
8	DR UMA KHAPDRE	OPHTHALMOLOGIST	DH CHIRIMIRI (MCB)	9425329595	NHM	
9	DR. MANOJ SINGH	OPHTHALMOLOGIST	DH CHIRIMIRI (MCB)	7000855683	REGULAR	2 DAYS IN WEEK MONDAY,TUESDAY
10	DR.FABIOLA XAXA	PHYSICIAN	DH CHIRIMIRI (MCB)	9479237171	REGULAR	
11	DR. NAMRTA CHAKRAWARTI	MEDICAL OFFICER	DH CHIRIMIRI (MCB)	8319950601	REGULAR	
12	DR GAUTAM PANDIT	MEDICAL OFFICER	DH CHIRIMIRI (MCB)	6266474646	REGULAR	
13	DR.ALISHA JENA	MEDICAL OFFICER	DH CHIRIMIRI (MCB)	7999710847	BONDED	
14	DR. ROSE SINGH	MEDICAL OFFICER	DH CHIRIMIRI (MCB)	8602136696	BONDED	
15	DR. SUDARSHAN MEENA	MEDICAL OFFICER	DH CHIRIMIRI (MCB)	9950862061	BONDED	
16	DR. RISHABH SHARMA	MEDICAL OFFICER	DH CHIRIMIRI (MCB)	9414764665	BONDED	
17	DR.MANISHA KUMARI	MEDICAL OFFICER	DH CHIRIMIRI (MCB)	9098340763	BONDED	
18	DR KOMAL RANI TOPPO	MEDICAL OFFICER	DH CHIRIMIRI (MCB)	8085782255	BONDED	
19	DR.ABHISHEK TEKAM	MEDICAL OFFICER	DH CHIRIMIRI (MCB)	9111994718	BONDED	
20	DR RINKU PRAMANIK	MEDICAL OFFICER	DH CHIRIMIRI (MCB)	7029270315	BONDED	
21	DR.VIVEK SINGH	MEDICAL OFFICER	DH CHIRIMIRI (MCB)	9131882371	BONDED	
22	DR. ZEESHAN KHAN	MEDICAL OFFICER	DH CHIRIMIRI (MCB)	8003917723	BONDED	
23	DR. VISTRUTI MOHANTI	MEDICAL OFFICER	DH CHIRIMIRI (MCB)	7489514579	BONDED	

जिला अस्पताल एमसीबी के आवश्यक संपर्क नंबर जारी।

CHC KHADGAWAN BLOCK KHADGAWAN
DISTT. - MCB (CG)

S.NO	Officer/Employe Name	Post Name	Posting Place	Mobile Number	Remark
1	Dr.Manish Pratap Singh	Block Medical Officer	CHC Khadgawan	8586963927	
2	Dr.Priyanka Singh	Medical Officer	CHC Khadgawan	6260850412	
3	Dr.Snehasis Karan	Medical Officer	CHC Khadgawan	8223974494	
4	Dr.Gaurav Yadav	Medical Officer	CHC Khadgawan	7049761021	
5	Dr.Anurag Singh	Medical Officer	CHC Khadgawan	9691595992	
6	Dr. Pratiksha tiwari	Dental Officet	CHC Khadgawan	9343307387	
7	Dr. Gayanendra Kushwaha	Ayush medical Officer	CHC Khadgawan	8770359600	
8	Dr.Rupesh Verma	Medical Officer	CHC Salka	9340598427	
9	Dr.Hemendra Pratap Singh	Medical Officer	CHC Udhnapur	9977993006	
10	Dr.Ankit Kumar Bhatnagar	Medical Officer	CHC Udhnapur	6377661727	
11	Dr. Ajay Gupta	Ayush medical Officer	PHC Udhanapur	9981051887	
12	Dr.Ankit Sonu Ekka	Medical Officer	CHC Ratanpur	735440227	
13	Dr.Pankaj Siddar	Medical Officer	CHC Ratanpur	6265410307	

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खड़गवां के आवश्यक संपर्क नंबर जारी

220 BISTARIY CIVIL HOSPITAL MANENDRAGARH M.C.B. (C.G.)

S/N	Officer/Employee Name	Post Name	Posting Place	Mobile Number	R
1	Dr. Swapnil Tiwari	Superitendent	220 Bistariy civil hospital	9589793644	
2	Dr. Soubhagya Sharan Singh	Child Specialist	220 Bistariy civil hospital	9826616613	
3	Dr. Rashmi Kumar	Gynecologist	220 Bistariy civil hospital	9399618434	
4	Dr.Vikas Poddar	M.D.Medicine	220 Bistariy civil hospital	9770385300	
5	Dr. Prakash Jaiswal	Orthopedic Specialis	220 Bistariy civil hospital	7869549972	
6	Dr. L.P.Maravi	Anesthesiologist	220 Bistariy civil hospital	9977335812	
7	Dr. Archana Kumhare	Medical Officer	220 Bistariy civil hospital	8319453306	
8	Dr. Alka Poonam Tigga	Medical Officer	220 Bistariy civil hospital	8817756848	
9	Dr. Ayush Anand	Medical Officer	220 Bistariy civil hospital	7070509974	
10	Dr. Bhukesh Painkra	Medical Officer	220 Bistariy civil hospital	9685162599	
11	Dr. Pragati Jagat	Medical Officer	220 Bistariy civil hospital	9329242817	
12	Dr. Swati Singh	Medical Officer	220 Bistariy civil hospital	9399630937	
13	Dr. Abhay Kumar Bhagat	Medical Officer	220 Bistariy civil hospital	9664497510	
14	Dr. Shailendra Singh	Medical Officer	220 Bistariy civil hospital	9893901096	
15	Dr.Nitesh Senkraj	Medical Officer	220 Bistariy civil hospital	6263640624	
16	Dr. Rajkumar	Medical Officer	220 Bistariy civil hospital	6394925233	
17	Dr. Tejbahadur Singh Sidar	Medical Officer	220 Bistariy civil hospital	9926578488	
18	Dr. Swaraj Rai	Medical Officer	220 Bistariy civil hospital	7389849367	
19	Dr. Roshni Painkra	Medical Officer	220 Bistariy civil hospital	6267042428	
20	Dr. Priyanka Nageshiya	Medical Officer	220 Bistariy civil hospital	8224072307	
21	Dr. Madhu Chauhan	Medical Officer	220 Bistariy civil hospital	6264186579	
22	Dr.Riya Ekka	Medical Officer	220 Bistariy civil hospital	7879244108	
23	Dr. Shalini Kumari	Medical Officer	220 Bistariy civil hospital	9801448487	
24	Dr. Shrinkhala Agrawal	Medical Officer	220 Bistariy civil hospital	8269075925	
25	Dr. Nisha Chaudhari	Medical Officer	220 Bistariy civil hospital	6265879953	
26	Dr.Nimisha Meena	Medical Officer	220 Bistariy civil hospital	9352438599	
27	Dr. Divya Meena	Medical Officer	220 Bistariy civil hospital	7665567290	

सिविल हॉस्पिटल मनेंद्रगढ़ के आवश्यक संपर्क नंबर जारी

छत्तीसगढ़ रजत जयंती 2025 पर जनपद कन्या विद्यालय में पूर्व विद्यार्थियों का मिलन समारोह

पूर्व छात्र-छात्राओं ने साझा किए अनुभव... विद्यालय को हरसंभव सहयोग देने का किया वादा

-संवाददाता-

बैकुण्ठपुर,31 अगस्त 2025 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ राज्य के 25 वर्ष पूर्ण होने पर रजत जयंती वर्ष के अंतर्गत स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित गतिविधियों की श्रृंखला में शासकीय प्राथमिक शाला जनपद कन्या बैकुण्ठपुर,जिला कोरिया में शनिवार को विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

विद्यालय की प्रधान पाठक श्रीमती पूनम पाण्डेय के नेतृत्व में हुए इस आयोजन में विद्यालय से शिक्षा प्राप्त कर आज समाज में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर रहे पूर्व विद्यार्थियों को आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर इंदिरा मिश्रा (शिक्षिका), रमा मिश्रा (शिक्षिका), भगवती पाठक (शिक्षिका), ममता दुबे (शिक्षिका), संजू जायसवाल (शिक्षक), अशरफ (शिक्षक) सहित बड़ी संख्या में पूर्व छात्र-छात्राओं ने मंच साझा किया और विद्यार्थियों से अपने अनुभव बांटे। सभी वक्ताओं ने विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों और वर्तमान स्वरूप की सराहना की। साथ ही यह विश्वास दिलाया कि भविष्य में विद्यालय को यदि किसी भी प्रकार की सहायता या योगदान की आवश्यकता होगी तो वे हमेशा तैयार रहेंगे। कार्यक्रम में नरेश तिवारी सीएसी विद्यालय के शिक्षक सनेश निर्मलकर एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ शासन,वन विभाग
दन्तेवाड़ा वनमण्डल,दन्तेवाड़ा

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि जगदलपुर वृत्त के अन्तर्गत दन्तेवाड़ा काष्ठागार में उपलब्ध नीचे ईमारती के नये/पुराने काष्ठ का ई-ऑक्शन द्वारा निवर्तन निम्नानुसार किया जावेगा। इच्छुक बोलीदारों से अनुरोध है कि, वे ई-ऑक्शन में भाग लेवें। ई-आक्शन की शर्तें एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमण्डल कार्यालय / केन्द्रीय काष्ठागार दन्तेवाड़ा से प्राप्त की जा सकती है।

1. नीलाम दिनांक - 02-09-2025
2. नीलाम स्थल का नाम - केन्द्रीय काष्ठागार दन्तेवाड़ा (आंवराभाठा)
3. डिपो का नाम जहां वनोपज रखी गई है - केन्द्रीय काष्ठागार दन्तेवाड़ा (आंवराभाठा)
4. नीलाम समय - 09:00 बजे पूर्वान्ह से

प्रजाति	नयी काष्ठ				पुरानी काष्ठ			
	नग	घ.मी.	बल्ली	डेंगरी	नग	घ.मी.	बल्ली	डेंगरी
सागौन	640	138.370	9	4	3198	327.662	163	72
साल	13	2.632	50	8	797	63.506	58	34
बीजा	123	36.504	0	0	1065	104.950	8	34
साजा	70	12.509	0	0	351	40.860	81	29
हल्दू	163	48.305	1	15	81	13.760	0	0
धावड़ा	86	9.207	0	0	255	33.156	43	22
शिवना	02	0.595	0	0	06	0.311	0	0
तिन्सा	07	0.871	0	0	22	1.370	0	0
अन्य	58	7.373	0	0	460	47.659	471	147
सागौन चिरान	0	0.000	0	0	266	3.012	0	0
बीजा चिरान	0	0.000	0	0	17	0.421	0	0
अन्य जलाऊ चट्टा (नग में)	0	0.000	0	0	252	0.000	0	0
योग	1162	256.366	60	27	6770	636.667	824	338

1. क्रेताओं को ई-ऑक्शन से पूर्व एम. एस.टी.सी. ई-कॉमर्स पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य हैं।
2. क्रेताओं को ई-ऑक्शन के पूर्व क्रय लाटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वालेट में रखना अनिवार्य है। सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत ई.एम.डी. की राशि जमा करना अनिवार्य हैं।
3. लॉट की थप्पी सूची एवं फोटो एम.एस.टी.सी. ई-कॉमर्स पोर्टल में अपने आई.डी. से लॉग इन करके देख सकते हैं।
4. ई-ऑक्शन में लॉट क्रय के पश्चात् प्रथम क्रेता को 40 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा, उसी लॉट में अन्य क्रेताओं द्वारा 40 सेकण्ड के पूर्व क्रय करने पर 30 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा ।

जी.नं.-252603089/1

वनमंडलाधिकारी
दन्तेवाड़ा वनमण्डल, दन्तेवाड़ा

न्यायालय नायब तहसीलदार, उदयपुर जिला सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तहार

रा0प्र0क0-202508021100024/अ 21(1) 2025-25
ग्राम तोलता,प0ह0नं0 23

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक एतवार, सुखसेन आ0 स्व. ठीसू जाति गोंड़, निवासी ग्राम तोलगा तहसील उदयपुर द्वारा ग्राम तोलगा प0ह0नं0 23 स्वामित्व व कुल ख0नं0 02 अधिपत्य की स्थित भूमि ख0नं0 103 / 3, 144 / 4 रकवा क्रमशः 0.241, 0.494 हे. कुल खसरा नं-2 कुल रकबा 0.745 हे0 में से आवेदक क्र. 01 द्वारा अपने पुराने कच्चे खपड़ापोशा मकान जर्जर हो जाने से नवनिर्माण एवं भविष्य में किसी प्रकार की अप्रिय घटना ना हो, इस कारण आवेदक क्र. 01 द्वारा अपने हिस्से की भूमि खसरा नं. 144 / 4 रकवा 0.494 हे. भूमि . अनावेदक अनुक साय आ. स्व. मोतीराम जाति गोंड़ सा. तोलगा को रू.50,000.00 (पचास हजार रूपये मात्र) में वर्ष 2003 में हर विक्रय करने का सौदा तय कर अनावेदक से 50,000.00 /- रूपये नगद आवेदकगण ने प्राप्त कर लिया है। आवेदकगण द्वारा कलेक्टर सरगुजा के समक्ष भूमि विक्रय किये जाने की अनुमति हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। जो जांच हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।
उक्त संबंध में किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी तिथि 12.09.2025 के पूर्व इस न्यायालय में दावा / आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के उपरान्त किसी भी प्रकार का दावा / आपत्ति प्राप्त होने पर विचार नहीं किया जावे ।

आज दिनांक 25.09.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा द्वारा जारी ।

(सील)

नायब तहसीलदार
उदयपुर,सरगुजा,छ0ग0

असिस्टेंट प्रोफेसर बेचूलाल सोनवानी को महाविद्यालय का काम करने के लिए भेजा गया है या फिर अखिलेश चंद्र गुप्ता व प्रीति गुप्ता का काम करने के लिए ?

कार्यस्थल छोड़कर मुख्यालय बैकुंठपुर में क्या करते हैं बेचूलाल सोनवानी?

महाविद्यालय का काम बेचूलाल सोनवानी सेवानिवृत्ति प्रभारी प्राचार्य अखिलेश चंद्र गुप्ता के साथ मिलकर निजी दुकान में करवा रहे?

बेचूलाल सोनवानी को जनकपुर भेजने की उठने लगी मांग क्योंकि ऊंची राजनीतिक पकड़ बनाकर घर के नजदीक रहना चाह रहे हैं बेचूलाल

-रवि सिंह-

कोरिया,31 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।

आजकल कोरिया जिले के अग्रणी महाविद्यालय के सेवानिवृत्त प्राचार्य कोरिया जिले के एक अन्य महाविद्यालय का संचालन खुद कर रहे हैं, यह महाविद्यालय है नवीन महाविद्यालय पोड़ी बचरा, यहां के असिस्टेंट प्रोफेसर भी उन्हीं के लिए लगता है नियुक्त हैं और उन्हीं के प्रति उनकी जवाबदेही नजर भी आ रही है,असिस्टेंट प्रोफेसर बेचूलाल सोनवानी को उच्च शिक्षा विभाग के नियम को पालन करने की जरूरत नहीं है ऐसा लगने लगा है,क्योंकि उनके पास इतनी ऊंची पहुंच पकड़ है कि वह एक तरफ जुगाड़ से जनकपुर छोड़ कोरिया के पोड़ी बचरा में संलग्न हैं जो कहीं न कहीं सेवानिवृत्त प्रभारी प्राचार्य अग्रणी महाविद्यालय की ही देन है, और बेचूलाल सोनवानी इसी सुविधा जो उन्हें अग्रणी महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य रहे अखिलेश चंद्र गुप्ता ने दी है उसका फायदा भी उठा रहे है,वह 35 किलोमीटर दूर बैकुंठपुर में रहते हैं जबकि नियम है कि महाविद्यालय के 8 किलोमीटर के दायरे में ही उन्हें रहना है पर यह 35 किलोमीटर दूर महाविद्यालय से रहते हैं और जब मन करता है महाविद्यालय जाते हैं और नहीं मन करता है तो नहीं जाते हैं यह 80 हजार की वेतन अपने मनमर्जी चलाने के लिए उठा रहे हैं क्या? बेचूलाल सोनवानी इस समय असिस्टेंट प्रोफेसर शासन से 80 हजार का वेतन तो उठा रहे हैं पर काम पूर्व सेवानिवृत्ति प्रभारी प्राचार्य अखिलेश चंद्र गुप्ता व उनकी पत्नी का कर रहे हैं। महाविद्यालय का काम निजी दुकान में बैठकर करती हुई उनकी तस्वीर भी सामने आई है इसमें यह भी बताया जा रहा है कि जो व्यक्ति सेवानिवृत्त हो चुका है उस व्यक्ति के मार्गदर्शन में बेचूलाल सोनवानी अतिथि शिक्षक की भर्ती की सूची बनवाते नजर आए। यह भर्ती पोड़ी बचरा महाविद्यालय के लिए अतिथि शिक्षकों की भर्ती है जो पोड़ी बचरा का विषय है जो मुख्यालय के एक निजी कंप्यूटर संस्थान से की जा रही है। जबकि भर्ती का विषय गोपनीयता का होता है जो कहीं न कहीं भंग हो रहा है।

असिस्टेंट प्रोफेसर बेचूलाल सोनवानी

प्राचार्य डॉ. प्रीति गुप्ता

शासकीय कर्मचारियों को मुख्यालय के 8 किमी के दायरे में करना होता है निवास

शासन के नियमानुसार कार्य स्थल से 8 कि.मी. अन्दर ही कर्मचारी को रहना चाहिए लेकिन नियम को ठेंगा दिखाकर दबंगई के साथ बेचूलाल सोनवानी मुख्यालय से दूर बैकुण्ठपुर में लगभग 35 कि.मी. दूर निवास करते हैं वहीं वह कभी कभी आना जाना करते है महाविद्यालय से। बैकुण्ठपुर महाविद्यालय में ही लगभग दिखते है,पोड़ी बचरा के प्रभारी प्राचार्य के साथ बैकुण्ठपुर महाविद्यालय में ही निजी कार्य करते दिखते है। बाजार में जाकर टाईप कराना, दूध दही घर पहुंचाना जैसे कार्य करते है बेचूलाल सोनवानी ऐसी खबरें सूत्रों से प्राप्त हुई हैं,एक सहायक प्राध्यापक का प्रभारी प्राचार्य के लिए इतना समर्पित होना कहीं न कहीं वह कृतज्ञता उनकी दिखाता है जो उन्हें संलग्न करने घर के समीप वाली कृतज्ञता है जिससे उन्हें 150 किमी का सफर तय नहीं करना पड़ रहा है। पोड़ी बचरा महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य एवं बेचूलाल सोनवानी द्वारा 35 कि.मी. दूर से ही महाविद्यालय का संचालित किया जाता है। महाविद्यालय में अनिवार्य सुविधाओं का भी अभाव है वहीं छात्र महाविद्यालय छोड़कर अन्यत्र जाने मन बना रहे हैं वहीं प्रभारी प्राचार्य और सहायक प्राध्यापक बेचू लाल सोनवानी अपनी सुविधाओं के अनुसार महाविद्यालय आ जा रहे हैं और ज्यादातर बैकुंठपुर से ही वह महाविद्यालय का संचालन कर रहे हैं।

लोगों को छोटे से छोटे काम के लिए बैकुंठपुर आना पड़ता है महाविद्यालय से जुड़े कार्यों के लिए,जिम्मेदारों का नहीं मिलना है वजह...

पोड़ी बचरा महाविद्यालय में यदि कोई काम है किसी को तो उसे बैकुंठपुर आना होगा यह तय है,यदि कोई डाक देना हो अथवा कोई सूचना का अधिकार किसी को लगाना हो तो पोड़ी बचरा में कोई जिम्मेदार व्यक्ति के न होने के कारण उसे बैकुण्ठपुर महाविद्यालय आना पड़ता है। सूचना के अधिकार का शुल्क जमा करने के लिए जब पोड़ी बचरा महाविद्यालय पहुंचकर बेचूलाल सोनवानी को एक डाक रिसीव करने के लिए फोन किया गया, तो उनके द्वारा कहा गया कि- बैकुण्ठपुर महाविद्यालय आकर डॉ. प्रीति गुप्ता प्राचार्य को डाक दे दीजिए।

बेचुलाल सोनवानी जनकपुर से पोड़ी बचरा संलग्न हुए अखिलेश चंद्र गुप्ता की मदद से

बेचूलाल सोनवानी की पदस्थापना एमसीबी जिले के जनकपुर में है, डॉ. अखिलेश चंद्र गुप्ता एवं प्रीति गुप्ता की ऊंची पहुंच के कारण अपने कार्य में सहयोग के लिए पोड़ी बचरा के नाम पर कार्य कर रहे है। बैकुण्ठपुर में रहकर पूरी सेवा प्रीति गुप्ता एवं अखिलेश चंद्र गुप्ता को दे रहे है ऐसी बातें सूत्रों से ज्ञात हुई हैं। 150 किमी पहले जाना होता था बेचुलाल सोनवानी को अब उन्हें केवल 35 किमी जाना पड़ता है और इसलिए ही बताया जा रहा है कि वह महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य जो सेवानिवृत्त प्राचार्य की पत्नी हैं के लिए हर सहयोग करने तैयार हैं जिसमें वह घर की जरूरतों के सामान भी पहुंचाते नजर आ जाते हैं।

अव्यवस्था के कारण छात्र हो रहे महाविद्यालय से दूर

पोड़ी बचरा के छात्र अब अव्यवस्थाओं के कारण महाविद्यालय से दूर होते जा रहे हैं,वह लगातार टीसी लेने इक्षा जाहिर कर रहे हैं,वर्तमान में बी.कॉम प्रथम सेमेस्टर में- 02, तृतीय सेमेस्टर में- 05, बी.कॉम. अन्तिम वर्ष में 7 छात्र प्रवेश लिए है। बी.कॉम में पूर्व वर्ष में रिजल्ट काफी खराब आने व सफाई व्यवस्था, बाथरूम न होने के कारण छात्र यहां से टीसी कटा कर अन्यत्र महाविद्यालय में प्रवेश ले रहे है। डॉ. गुप्ता एवं उनकी पत्नी प्रीति गुप्ता के निजी कार्यों के लिए बेचूलाल सोनवानी को शासन द्वारा लगभग 80 हजार प्रतिमाह भुगतान किया जा रहा है। जो कि शासकीय कार्य न करके निजी कार्य कर रहे है। महाविद्यालय के रिजल्ट से ही पता चलता है कि इनके द्वारा सही अध्यापन कार्य नहीं कराया जा रहा है।

पुरस्कार व सम्मान महेश मिश्रा घर को भर दिया

कोरिया जिले के रियल हीरो से उनके निवास में जाकर मिले आकार स्कूल के बच्चे

राष्ट्रपति सम्मान से पुरस्कृत होने के 15 दिन बाद भी जारी है महेश मिश्रा के लिए शुभकामना संदेश

शुभकामना देने के लिए महेश मिश्रा के घर पहुंच रहे जनप्रतिनिधि व अधिकारी सहित तमाम शुभचिंतक

-संवाददाता-

कोरिया,31 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले के नगर सेना में पदस्थ लांस नायक डॉक्टर महेश मिश्रा क्षेत्र के लिए एक गौरव साबित होते जा रहे हैं, अपने उत्कृष्ट कार्यों से अपनी एक अलग पहचान बनाया है, इनकी कार्यशैली ऐसी है कि विभिन्न मंचों पर इन्हें सम्मानित किया जाता है,यही वजह है कि उनके कार्य की वजह से लोग इन्हें मंचों पर हमेशा सम्मान देते हैं, जिस कारण महेश मिश्रा का घर प्रशस्ति पत्र व प्रतीक चिन्ह से भर गया है, जहां इन्हें सामाजिक संस्थाओं के मंचों पर सम्मान मिलता है तो वही 15 अगस्त 26 जनवरी जैसे मौको पर उत्कृष्ट कार्य के लिए अपने प्रशासन के हाथों भी सम्मानित होते हैं, अपने उत्कृष्ट कार्य के लिए कई बार राष्ट्रीय पर्व पर सम्मानित हुए हैं, हाल ही में उन्हें इस स्वतंत्रता दिवस पर सर्वोच्च राष्ट्रपति सम्मान से पुरस्कृत किया गया, यह पुरस्कार उन्हें रायपुर में दिया गया पुरस्कार मिले 15 दिन बीत चुके हैं पर बधाई देने वालों का तांता अभी तक लगा हुआ है, उनके घर पहुंच कर लगातार बधाई संदेश देने की तस्वीर सामने आ रही है अभी तक उन्हें प्रशासनिक अधिकारी से लेकर शासकीय कर्मचारी जनप्रतिनिधि सहित क्षेत्र के लोग लगातार उनके घर पहुंच कर उन्हें इस उपलब्धि के लिए सम्मानित कर रहे हैं और उन्हें बधाई दे रहे हैं।

कोरिया जिले के रियल हीरो से उनके निवास में जाकर मिले आकार स्कूल के बच्चे

सर्वोच्च राष्ट्रपति सम्मान से पुरस्कृत डॉ महेश मिश्रा को शाल श्रीफल भेंट कर आकार पब्लिक स्कूल के शिक्षकों दिया सम्मान। नागरिक सुरक्षा के लिये देश के सर्वोच्च राष्ट्रपति सम्मान से पुरस्कृत डॉ महेश मिश्रा को आज उनके निवास पहुंचकर आकार पब्लिक स्कूल परिवार की ओर से बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की। यातायात विभाग में कार्य करते हुए लांस नायक महेश मिश्रा लगातार यातायात संबंधी जागरूकता में सक्रिय रूप से सहभागिता रही। सामाजिक कार्य के साथ सामाजिक हित में कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों के साथ समाज में सजग नागरिकता का दायित्व का निर्वहन करते है। बता दे कि उनके इसी निष्ठापूर्वक कार्य से उन्हें सैकड़ों विभिन्न पुरस्कारों से नवाजा गया है। कोरिया जिले के साथ पूरे प्रदेश में इनके कार्य की खूब प्रशंसा किया जाता है। इनके इसी निष्ठा को देखते हुए राजधानी में स्वतंत्र दिवस के दिन मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा सर्वोच्च राष्ट्रपति सम्मान देकर नवाजा गया है।

एक गांव से सफर राष्ट्रपति पुरस्कार तक

आकार पब्लिक स्कूल के स्कूल के बच्चों समेत शिक्षिकाओं को उत्साहित करते हुए श्री मिश्रा ने अपने जीवन के बारे में बच्चों को बताया और एक छोटे से गांव से कैसे राष्ट्रपति पुरस्कार के लिए सम्मानित हुए बच्चों से हंसी मजाक करते हुए अपने पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने की बात कही। वहीं शिक्षकों को अपने जवाबदारी से अवगत करते हुए बताया कि वह कैसे कार्य कर रहे महत्वपूर्ण नहीं पर किसी संस्था से जुड़ने के बात उनकी जवाबदेही बनती है कि बच्चों के चहुमुखी विकाश के लिए सदैव प्रयत्नशील रहे। श्री मिश्रा के सम्मान देने में आशीष सोनी, श्रेया दुबे, श्वेता विश्वकर्मा, इरफा सिद्दकी, आफरीन परवीन, तबस्सुम के साथ स्कूल के बच्चों की उपस्थिति रही।

महेश मिश्रा को सिर्फ सम्मान की चाह है

एक व्यक्ति के लिए सम्मान के साथ सर उठाकर जीना उसकी जिंदगी का सबसे बड़ा गौरव लक्ष्य होता है जिसे जीने की इच्छा हर एक अच्छे इंसान में होता है, कुछ ऐसे ही इंसान है महेश मिश्रा जो सम्मान पाने के लिए भूखे हैं, यही वजह है कि वह अपने जीवन को लोगों की सेवा के साथ लक्ष्य पर बढ़ाना चाह रहे हैं,अपने उत्कृष्ट कार्यो व ऊंची सोच से एक अलग ही पहचान बन चुके हैं,यही वजह है कि हर मंच उन्हें सम्मान के साथ याद करता है बुलाता है और उनके बिना मंच अधूरा है ऐसी स्थिति भी कई बार निर्मित हो जाती है, समाजसेवी से लेकर तमाम संस्थाएं महेश मिश्रा को मंच पर बुलाते हैं और उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए उन्हें सम्मानित करते हैं उनके सम्मान की गिनती यदि की जाए तो शायद कम पड़ जाएगी, उनके घर पर पहुंचने से यह पता चलता है कि उनका घर उन्हें मिलने वाले सम्मान के प्रतीक चिन्ह व प्रशस्ति पत्र से भरा हुआ है, लोग जाते हैं तो उसकी गिनती तो शुरू करते हैं पर गिन नहीं पाते हैं आज उनके उत्कृष्ट कार्य ही उन्हें जिले में एक अलग पहचान दे दी है यही वजह है कि महेश मिश्रा किसी पहचान के अब मोहताज नहीं है।

हॉकी एशिया कप में भारतीय टीम की लगातार दूसरी जीत,जापान को 3-2 से हराया

नई दिल्ली,31 अगस्त (ए)। भारतीय टीम एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट के सुपर-4 में प्रवेश कर गई है। टीम ने रविवार को जापान पर 3-2 की जीत हासिल की। इस जीत ने टीम इंडिया को पूल ए पॉइंट्स टेबल में नंबर-1 पोजिशन पर पहुंचा दिया। राजगीर के बिहार स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी हॉकी स्टेडियम में भारत ने मंदीप सिंह के गोल से बढ़त हासिल की। उन्होंने तीसरे मिनट में फील्ड गोल दागा। फिर 5 वें मिनट में कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके भारत को 2-0 से आगे कर दिया। हाफ टाइम तक यही स्कोर लाइन रही। तीसरे क्वार्टर में जापान ने कावाबे कोसेई के गोल से वापसी की। कोसेई ने बैक हैंड शॉट खेला और बॉल को गोल पोस्ट के अंदर धकेल दिया। चौथे क्वार्टर से ठीक पहले भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने एक और पेनल्टी कॉर्नर पर गोल दागा। यह हरमनप्रीत का दूसरा और भारतीय टीम का तीसरा गोल था। फाइनल व्हीसिल से ठीक पहले जापान के कावाबे कोसेई (58वें मिनट) ने अपना और टीम का दूसरा गोल दागा। हालांकि,वे अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके।

भारत 3-2 से जीता

आखिरी सेकेंड तक मैच में रोमांच बना रहा। जापान ने गेंद को भारतीय सर्कल के पास घुमाने के बाद जोरदार शॉट लगाया, लेकिन डिफेंस ने उसे आसानी से रोक लिया। फिर भारत ने अंतिम पलों को संभालते हुए जीत पक्की कर ली। 59वें मिनट भारत को आखिरी मिनट 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। स्टार कप्तान हरमनप्रीत सिंह को येलो कार्ड मिला।

58 वें मिनट में जापान को पेनल्टी कॉर्नर,भारत ने रेफरल गंवाया

58वें मिनट में जापान को पेनल्टी कॉर्नर मिला। लेकिन भारतीय डिफेंडर्स ने शानदार बचाव किया।अगले ही मिनट में भारतीय टीम ने काउंटर अटैक किया। पर गोल नहीं आया।

जापान को पेनल्टी कॉर्नर,सूरज केरकेटा का शानदार बचाव

मैच का चौथा और आखिरी क्वार्टर शुरू हो चुका है। इसकी शुरुआत में जापान को पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन कृष्ण बहादुर को रिप्लेस करके आए गोलकीपर सूरज केरकेटा ने डबल सेव किए और भारत को गोल सके बचाया। यहां जापानी कप्तान ने गोल करने के दो प्रयास किए थे।

कावाबे का दूसरा गोल

58वें मिनट कावाबे ने दूसरा गोल किया। बॉल लगभग बेसलाइन पार करने वाली थी, लेकिन कावाबे ने उसे शानदार तरीके से ट्रैप किया। इसके बाद उन्होंने जरमनप्रीत के पास से गिरते हुए गेंद गोल पोस्ट में डाल दिया।

हरमनप्रीत सिंह ने दूसरा गोल दागा

तीसरे क्वार्टर के आखिरी मिनटों में भारत ने गोल करके अपनी बढ़त को 3-1 कर लिया है। मुकाबले के 45 वें मिनट में भारतीय टीम को पेनल्टी कॉर्नर मिला। इस मौके को भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने अपने दमदार ड्रैग फ्लिक से गोल में तब्दील कर दिया। इसी के साथ रेफरी ने तीसरा क्वार्टर समाप्त होने की व्हीसिल बजा दी। तीसरे क्वार्टर में जापान की टीम ने वापसी की। जब कावाबे कोसेई ने फील्ड गोल कर दिया। उन्होंने भारतीय डिफेंस को ध्वस्त करते हुए बैक हैंड शॉट खेला और बॉल को गोल पोस्ट के अंदर धकेल दिया। यहां किमुरा नारू ने कावाबे कोसेई को पास दिया था। 150 वां मैच खेल रहे कृष्ण बहादुर के पास इस शॉट का कोई जवाब नहीं था। तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में भारत ने अटैक किया। अभिषेक ने जापान के गोल पर शॉट लिया।

दलीप ट्रॉफी के दोनों क्वार्टर फाइनल मैच ड्रॉ

सेमीफाइनल में सेंट्रल जोन का सामना वेस्ट जोन से

नई दिल्ली,31 अगस्त (ए)। दलीप ट्रॉफी 2025 के दोनों क्वार्टर फाइनल मुकाबले ड्रॉ पर खत्म हुए। हालांकि, पहली पारी में बढ़त के आधार पर नॉर्थ जोन और सेंट्रल जोन सेमीफाइनल में पहुंचे। सेमीफाइनल में नॉर्थ जोन का सामना साउथ जोन से और सेंट्रल जोन का वेस्ट जोन से होगा। केरल के मोहम्मद अजहरुद्दीन को साउथ जोन का कप्तान बनाया गया है। वे तिलक वर्मा की जगह लेंगे। तिलक वर्मा एशिया कप के कारण दलीप ट्रॉफी का सेमीफाइनल मैच नहीं खेलेंगे। तमिलनाडु के स्पिनर आर साई किशोर भी सेमीफाइनल में नहीं खेलेंगे,क्योंकि वे अभी हाथ की चोट से उबर रहे हैं। पुडुचेरी के अंकित शर्मा और आंध्र के शेख रशीद को साउथ जोन की टीम में शामिल किया गया है। नॉर्थ जोन से बडोनी ने दोहरा शतक लगाया नॉर्थ जोन ने मैच के आखिरी दिन आयुष बडोनी के दोहरे शतक,अंकित कुमार और यश ढुल की शतकीय पारी के दम पर 4 विकेट पर 658 रन बनाकर दूसरी पारी घोषित की। उसने 833 रन की बढ़त हासिल की। ईस्ट जोन ने दूसरी पारी में बल्लेबाजी नहीं की और मुकाबला ड्रॉ हो गया। नॉर्थ जोन ने पहली पारी में 405 और ईस्ट जोन ने 230 रन बनाए थे। नॉर्थ जोन के लिए दूसरी पारी में आयुष बडोनी ने 223 गेंद पर 13 चौके और 3 छक्के की मदद से 204 रन बनाए। बडोनी के दोहरा शतक मारते ही नॉर्थ जोन की पारी घोषित हो गई। बडोनी का फर्स्ट क्लास क्रिकेट में यह दूसरा दोहरा शतक था। उनके अलावा कप्तान अंकित कुमार ने 321 गेंद पर 198 रन बनाए। यश ढुल ने 157 गेंद पर 133 रन बनाए। निशांत सिंधू 91 गेंद पर 68 रन बनाकर नाबाद रहे।

सेंट्रल जोन से तीन शतक लगे रजत पाटीदार की टीम ने दूसरे क्वार्टर फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए नॉर्थईस्ट जोन को बाहर कर दिया। पहली पारी में सेंट्रल जोन ने दानिश मालेवार के शानदार दोहरे शतक (203) और कप्तान रजत पाटीदार के शतक (125) की मदद से 5 विकेट पर 532 रन बनाए थे। इसके जवाब में नॉर्थईस्ट जोन की पहली पारी 185 रन पर ही सिमट गई। इसके बाद सेंट्रल जोन ने दूसरी पारी में 7 विकेट पर 331 रन बनाकर पारी घोषित कर दी और नॉर्थईस्ट जोन को 679 रन का टारगेट दिया। टीम के लिए दूसरी पारी में शुभम शर्मा ने 122, कप्तान रजत पाटीदार ने 66 और यश राठौर ने 78 रन बनाए। 679 रन के जवाब में नॉर्थईस्ट जोन ने 6 विकेट पर 200 रन बना लिए थे, जिसके बाद इस मैच को डॉ घोषित कर दिया गया और पहली पारी में बढ़त के आधार पर सेंट्रल जोन ने सेमीफाइनल में जगह बना ली। जहां उसका मुकाबला शार्दुल ठाकुर की कप्तानी वाली वेस्ट जोन से होगा।

सिनर यूएस ओपन के चौथे राउंड में पहुंचे

नई दिल्ली,31 अगस्त (ए)। वर्ल्ड नंबर-1 जैनिक सिनर यूएस ओपन 2025 के चौथे राउंड में पहुंच गए हैं। उन्होंने मेंस सिंगल्स के तीसरे राउंड में कनाडा के डेनिस शापोवालोव को हराया। वहीं, तीसरी सीड एलेक्जेंडर ज्वेरेव उलटफेर का शिकार हो गए। विमेंस सिंगल्स में वर्ल्ड नंबर-1 आर्यना साबालेंका, इगा स्वियातेक, नाओमी ओसाका और कोको गॉफ भी चौथे दौर में पहुंच गई हैं। वापसी करते हुए जीते सिनर यूएस ओपन 2025 के तीसरे राउंड में सिनर ने डेनिस शापोवालोव के खिलाफ कड़ा मुकाबला खेला। मैच की शुरुआत में शापोवालोव ने आक्रामक अंदाज दिखाते हुए पहला सेट 7-5 से अपने नाम किया, लेकिन इसके बाद सिनर ने शानदार वापसी की। उन्होंने लगातार तीन सेट 6-4, 6-3, 6-3 से जीतकर मैच भी अपने नाम कर लिया। ज्वेरेव पहला सेट जीतने के बाद मैच हारे तीसरे दौर के मैच में जर्मनी के स्टार प्लेयर ज्वेरेव ने कैनेडियन खिलाड़ी फेलिक्स ऑगर-अलियासिमी के खिलाफ शानदार शुरुआत की और पहला सेट 6-4 से अपने नाम कर लिया। लेकिन इसके बाद ऑगर-अलियासिमी ने पलटवार किया। उन्होंने दूसरे सेट का टाई-ब्रेक 9-7 से जीता, फिर लगातार 6-4, 6-4 से जीत हासिल कर 3-6, 7-6(7), 6-4, 6-4 से मैच अपने नाम कर लिया।

स्वियातेक लगातार पांचवीं बार अंतिम-16 में पहुंचीं : विमेंस में पोलिश खिलाड़ी इगा स्वियातेक ने तीसरे दौर में रूस की अन्ना कालिन्सकाया को कड़ी चुनौती के बावजूद मात दी। उन्होंने पहले सेट में बराबरी का प्रदर्शन करते हुए टाई-ब्रेक 7-6(2) में जीत हासिल की। दूसरे सेट में भी कालिन्सकाया ने बेहतरीन खेल दिखाया लेकिन स्वियातेक ने दूसरा सेट 6-4 से अपने नाम किया।

सात्विक-चिराग की जोड़ी बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में हारी

भारत को ब्रॉन्ज मेडल,2022 के सीजन में भी जीता था

नई दिल्ली,31 अगस्त (ए)। भारत की टॉप बैडमिंटन जोड़ी सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में मेंस डबल्स के सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा। सेमीफाइनल मुकाबले में चीन के चेन बो यांग और लियू यी की जोड़ी ने 19-21, 21-18, 12-21 से हराया। मुकाबला एक घंटे सात मिनट तक चला। ऐसे में भारतीय जोड़ी को ब्रॉन्ज मेडल से ही संतोष करना पड़ा। भारतीय जोड़ी को 2022 में भी ब्रॉन्ज मेडल मिला था। कांटे की टक्कर मैच की शुरुआत में सात्विक और चिराग ने शानदार प्रदर्शन किया। टॉस जीतकर उन्होंने पहले रिसीव करने का फैसला किया। सात्विक की सटीक सर्विस रिटर्न के साथ भारतीय जोड़ी ने पहला अंक हासिल किया। लगातार दो स्मैश नेट में मारने की चीनी जोड़ी की गलतियों का फायदा उठाते हुए सात्विक-चिराग ने 4-0 की बढ़त बना ली। कुछ ही देर में वे 9-3 से आगे हो गए। पहले गेम के मध्यांतर में भारतीय जोड़ी 11-5 से आगे थी। लेकिन चीनी जोड़ी ने मजबूत वापसी करते हुए स्कोर 12-12 पर ला खड़ा किया और आखिरकार पहला गेम 21-19 से जीत लिया। सात्विक-चिराग की वापसी दूसरे गेम में भारतीय जोड़ी ने फिर से शानदार शुरुआत की और 6-2 की बढ़त बना ली। लेकिन चीनी जोड़ी ने फिर से वापसी की और स्कोर 8-8 पर बराबर कर लिया। इसके बाद सात्विक और चिराग ने अपनी रक्षा को मजबूत किया और हर मौके का फायदा उठाकर 15-11 की बढ़त हासिल की। चीनी जोड़ी ने एक बार फिर 17-17 पर स्कोर बराबर किया, लेकिन सात्विक-चिराग ने शानदार खेल दिखाते हुए गेम को 21-18 से अपने नाम किया। चीनी जोड़ी का दबदबा निर्णायक गेम में सात्विक-चिराग की शुरुआत अच्छी नहीं रही और वे जल्द ही 0-6 से पीछे हो गए और लगातार 9 अंक गंवा दिए। हालांकि बाद में कुछ अंक हासिल किए, लेकिन बड़ी बढ़त बना चुकी चीनी जोड़ी को रोक पाना मुश्किल था। आखिरकार चेन-लियू ने 21-12 से गेम और मैच जीतकर फाइनल में जगह बना ली।

कोई मुझे छेड़ेगा तो मैं चुप नहीं बैठूंगा... नितीश राणा ने दिग्वेश राठी संग हुई भिड़ंत पर तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली,31 अगस्त (ए)। दिल्ली प्रीमियर लीग के एलिमिनेटर मुकाबले में वेस्ट दिल्ली लायंस के कप्तान नितीश राणा और साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स के गेंदबाज दिग्वेश राठी की भिड़ंत हो गई थी। बीच मैदान दोनों के बीच जमकर बहसबाजी हुई थी, जिसके बाद महिला अंपायर को बीच-बचाव करना पड़ा था। अगले दिन डीपीएल की ओर से दिग्वेश राठी पर आचार संहिता उल्लंघन करने के लिए मैच फीस का 80 प्रतिशत जुर्माना लगया गया था तो वहीं नितीश राणा पर भी मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया था। इसी बीच अब लायंस के कप्तान नितीश राणा ने इस मामले में अपनी चुप्पी तोड़ी है।

ये था पूरा मामला : दरअसल, विवाद की शुरुआत साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज के गेंदबाज दिग्वेश राठी ने की थी। उन्होंने रनअप लेने के बाद गेंद नहीं फेंकी। ये देख नितीश का पारा हाई हो गया। दिग्वेश फिर रनअप लेकर गेंद फेंकने

आए तो इस बार नितीश हट गए। इसके बाद दोनों के बीच काफी तू-तू मैं-मैं हुई। फिर दिग्वेश की गेंद पर नितीश ने छक्का जड़कर कुछ कहा और फिर से दोनों की झड़प हुई तो और अंपायर को मामला शांत कराना पड़ा। जिसका वीडियो डीपीएल टी20 के ऑफिशियल एक्स अकाउंट से पोस्ट किया और वह देखते ही देखते वायरल हो गया।

नितीश राणा ने तोड़ी चुप्पी : नितीश राणा ने अपनी टीम के फाइनल में पहुंचने पर कहा कि मुद्दा ये नहीं है कि कौन सही या कौन गलत है। वो अपनी टीम के लिए और मैं अपनी टीम के लिए मैच जीतने उतरा था। क्रिकेट के खेल का सम्मान करना उसकी और मेरी जिम्मेदारी है। उसने ही विवाद की शुरुआत की थी। मैं ये नहीं कहता कि कैसे या क्या हुआ, क्योंकि यह अनुचित होगा।

मैं भी छक्का मारकर जवाब दे सकता हूं : नितीश ने कहा कि हां... अगर कोई मुझे छेड़ेगा या मेरे सामने आएगा तो मैं भी चुप बैठने वालों में से नहीं हूं, क्योंकि मैंने हमेशा से इसी तरह क्रिकेट खेला है।

कोई अगर ये सोचता है कि वह मुझे छेड़कर, मुझे उकसाते हुए आउट कर देगा तो मैं भी छक्का मारकर जवाब दे सकता हूं। उन्होंने कहा कि एलिमिनेटर में जो हुआ वो इसी का एक उदाहरण है।

जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले एकदिवसीय में धीमी ओवर गति के लिए श्रीलंका पर लगा जुर्माना

नई दिल्ली,31 अगस्त (ए)। हरारे में जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले एकदिवसीय मैच में धीमी ओवर गति के लिए श्रीलंका क्रिकेट टीम पर मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। आईसीसी एलीट पैनल के मैच रेफरी जेफ क्रो ने यह जुर्माना लगाया। खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहयोगी कार्मिकों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित खिलाड़ियों पर निर्धारित समय में गेंदबाजी न करने पर प्रत्येक ओवर के लिए उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने रविवार को बताया कि श्रीलंका के कप्तान चरिथ असलांका ने अपराध और प्रस्तावित दंड को स्वीकार कर

लिया, इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं पड़ी। दरअसल, हरारे में खेले गए पहले एकदिवसीय मैच में श्रीलंका ने मेजबान जिम्बाब्वे को सात रन से हराया। मैच में श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 298 रन बनाए थे। इसके जवाब में जिम्बाब्वे की टीम 50 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 291 रन ही बना सकी। इस जीत के साथ दो मैचों की एकदिवसीय सीरीज में श्रीलंका 1-0 से आगे है।

पवित्र रिश्ता एक्ट्रेस प्रिया मराठे का हुआ निधन

38 साल की उम्र में कैंसर से हुआ निधन,कसम से,उतरन जैसे शोज में भी किया था काम

पवित्र रिश्ता,कसम से और उतरन जैसे पॉपुलर टीवी शोज में नजर आ चुकीं एक्ट्रेस प्रिया मराठे का रविवार सुबह निधन हो गया है। एक्ट्रेस 38 साल की थीं और लंबे समय से कैंसर से जंग लड़ रही थीं। एक्ट्रेस के निधन के बाद कई सेलेब्स शोक व्यक्त कर उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं। प्रिया मराठे ने अपने मीरा रोड स्थित घर में तड़के सुबह 4 बजे अंतिम सांसें ली हैं। उनका बीते कई सालों से कैंसर का इलाज चल रहा था,कुछ समय पहले वो कैंसर से रिकवर होने लगी थीं,लेकिन फिर अचानक उनका निधन हो गया। रिपोर्ट्स की मानें तो

आखिरी समय में उन्होंने ट्रीटमेंट पर रिस्पॉन्स करना बंद कर दिया था। प्रिया मराठे ने अप्रैल 2012 में पॉपुलर एक्टर श्रीकांत मोघे के बेटे शांतनु मोघे से शादी की थी।

इन पॉपुलर शोज में नजर आ चुकी हैं प्रिया मराठे : प्रिया मराठे ने थिएटर से जुड़े रहने के बाद साल 2005 में मराठी टीवी इंडस्ट्री से एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद साल 2008 में प्राची देसाई स्टारर टीवी शो कसम से के जरिए उन्होंने हिंदी टीवी इंडस्ट्री में कदम रखा। इस शो में उन्होंने विद्या बाली का रोल निभाया था। एक्ट्रेस को 2009 के पॉपुलर शो पवित्र रिश्ता से काफी पहचान मिली। इस शो में प्रिया ने वर्षा का नेगेटिव रोल निभाया था। आगे वो बड़े अच्छे लगते हैं, कॉमेडी सर्कस,साथ निभाना साथिया,भागे रे मन और आयुष्मान भवः जैसे कई टीवी शोज का हिस्सा रहीं।

रामानंद सागर के बेटे और प्रोड्यूसर प्रेम सागर का निधन

फिल्ममेकर रामानंद सागर के बेटे और प्रोडयूसर प्रेम सागर का रविवार को निधन हो गया। 84 साल की उम्र में उन्होंने आज सुबह 10 बजे अंतिम सांस ली। प्रेम सागर का अंतिम संस्कार आज मुंबई के जुहू स्थित पवनहंस श्मशान घाट में किया जाएगा। एक सूत्र ने बताया,वह कुछ समय से बीमार थे और मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती थे। रविवार को डॉक्टरों ने उन्हें घर ले जाने की सलाह दी। प्रेम सागर के निधन पर दुख जताते हुए एक्टर अरुण गोविल ने इंस्टाग्राम पर लिखा,रामायण टीवी सीरियल का स्वरूप देकर इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से जन-जन तक भगवान श्रीराम की मर्यादा,आदर्श और

शिक्षाओं को पहुंचाने वाले स्व. श्री रामानंद सागर जी के सुपुत्र एवं प्रसिद्ध फिल्म निर्माता श्री प्रेम सागर जी के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। प्रभु श्रीराम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोक संतप्त परिवारजनों को यह गहन दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। शांति वहीं, रामायण में लक्ष्मण का किरदार निभाने वाले एक्टर सुनील लहिरी ने भी अपने एक्स हैंडल पर दुख व्यक्त करते हुए लिखा-यह बेहद शॉकिंग न्यूज है, हमने रामायण के रामानंद सागर जी के सुपुत्र प्रेम सागर जी को खो दिया। शांति। प्रेम सागर ने पुणे के फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया से ट्रेनिंग ली थी। वह 1968 बैच के छात्र थे। एफटीआईआई की पढ़ाई से उन्हें मजबूत तकनीकी आधार मिला।

अनुपम खेर चार लोगों के साथ चॉल में रहे

10 साल से किराये के घर में हैं,मां की खुशी के लिए शिमला में बनाया आशियाना

दुबई में आयोजित रियल्टी अवॉर्ड 2025 के दौरान एक्टर अनुपम खेर ने रियल एस्टेट पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि मैं जिस दौर से गुजर चुका हूं उसके बाद चीफ गेस्ट बनना कोई कमाल की बात नहीं है। इस दौरान उन्होंने मुंबई में अपने पहले आशियाने से लेकर शिमला में अपनी मां के लिए घर खरीदने के बहुत रोचक किस्से सुनाए।

छोटे से कमरे में चार लोगों के साथ रहा

जब मुंबई पहली बार आया तो चॉल में एक छोटे से कमरे में चार लोगों के साथ रहा। उस चॉल की मालकिन धोबन थीं। अपने 2-3 बच्चों के साथ परदे के उस पार किचन में रहती थीं। घर में कोई पंखा नहीं था। मुंबई पहुंचने के दूसरे दिन मैंने मकान मालकिन के बेटे से कहा कि यहां का पता तो बता ताकि पता चले कि कहां रहता हूं। उसने जब कागज पर पता लिखकर दिया तो उसे पढ़कर बहुत हंसा। जबकि हंसने की स्थिति में नहीं था।

क्या था पता?

अनुपम खेर, 2/15,खेरवाडी,खेरनगर, खेर रोड, बांद्रा (ईस्ट),मुझे लगा कि अब यहां कुछ करने से दुनिया की कोई ताकत नहीं रोक सकती है। उसके बाद मैंने अपना पहला घर एक बेड रूम हॉल का डायरेक्टर रमेश बहल से कालूमल एस्टेट में लिया। फिर वहीं पास में दूसरा घर चार बेडरूम का लिया।

10 साल से किराये के घर में हूं...

फिर 10-12 साल पहले हमने डिसाइड किया कि इससे भी बड़ा घर लेते हैं। जब घर ढूंढना शुरू किया तो छह साल लग गए। कोई ढंग का घर नहीं मिल रहा था। मुझे तो कैसा भी घर चलता, लेकिन किरण जी को कोई घर पसंद नहीं आ रहा था। फिर वो राजनीति में चली गईं और चंडीगढ़ रहने लगीं। उसके बाद से मुंबई में किराये के ही घर में रह रहा हूं।

शिमला में मां के लिए घर लिया

मैंने 7-8 साल पहले अपनी मां से पूछा कि आपके बेटे अच्छा कमा रहे हैं। पोते-पोतियां हो गई है,अब आपकी क्या इच्छा है? उन्होंने कहा- मैं शिमला में अपना घर लेना चाहती हूं। मैंने कहा कि अब हम तो शिमला में नहीं रहते हैं। पिताजी के जाने के बाद मुंबई में रहते हैं। वो बोलीं- मैं 59 साल शिमला में किराये के मकान में रही। अब चाहती हूं कि शिमला में एक घर की मालकिन बनूं। मैंने शिमला में घर ढूंढना शुरू किया। ब्रोकर से कहा कि किसी को मत बताना कि कौन घर खरीद रहा है? मकान मालिक ने कहा कि आप अपनी मां के लिए घर ले रहे हैं, इसलिए 10 परसेंट छोड़ देता हूं। पर आपकी आवाज बहुत जानी पहचानी है। मैंने उन्हें कुछ नहीं बताया। मां गुस्से में हो गईं कि इतना बड़ा घर क्या करूंगी? मैंने कहा कि यही लेना है, नहीं तो कुछ भी नहीं लेना है। जब डील हो गई तब मैंने मकान मालिक को अपना नाम बताया तो उसने 20 परसेंट और कम कर दिया।

मकान मालिक से अपनी पहचान छुपाई

अगर मकान मालिक को पता चलेगा कि अनुपम खेर खरीद रहे हैं तो कहीं घर का रेट दोगुना ना कर दे। मां को सिर्फ एक छोटा सा एक बेड रूम का कमरा चाहिए था। ब्रोकर ने आठ बेडरूम का घर देखा। उसी के दूसरी तरफ एक बेडरूम हाल का घर था। मां को वह घर पसंद आया। मैंने मकान मालिक से बात की। वो ऑस्ट्रेलिया जा रहे थे। उनकी मां उस घर में रहती थीं। मां के देहांत के बाद वो उस घर को बेचना चाहते थे। उनको पता चला कि खरीदने वाला अपनी मां के लिए घर ले रहा है।

रायपुर में लोकसभा सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ एफआईआर दर्ज

रायपुर,31 अगस्त 2025। तृणमूल कांग्रेस की लोकसभा सांसद महुआ मोइत्रा के केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ विवादित बयान देने के बाद राजनीतिक तापमान बढ़ गया है। उनके बयान के खिलाफ रायपुर के माना थाना में प्रार्थी गोपाल सामंतों की शिकायत पर स्नद्धक्रदर्ज कर ली गई है। सूत्रों के अनुसार, महुआ मोइत्रा ने अपने बयान में कहा था कि अमित शाह का सिर काटकर टेबल पर रख देना चाहिए। यह टिप्पणी सामने आते ही सोशल मीडिया और राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई। भाजपा कार्यकर्ताओं ने कई स्थानों पर महुआ मोइत्रा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई, जिससे मामला और बढ़ गया। भाजपा नेता नितिन नबीन ने इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कांग्रेस द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ अपशब्दों का प्रयोग लगातार किया जाता रहा है। उन्होंने कहा, जिस मिट्टी से ये लोग पैदा हुए, वह मिट्टी ही अब उन्हें जवाब देगी। जिस तरह कांग्रेस नेताओं ने देश के प्रधानमंत्री को गाली दी, जनता ने उन्हें हर बार जवाब दिया है। अब समय आ गया है कि कांग्रेस को उनके ही व्यवहार के हिसाब से जवाब मिले। राजनीतिक विश्लेषक मान रहे हैं कि महुआ मोइत्रा के बयान के बाद चुनावी और पार्टीगत रणनीतियों पर भी असर पड़ सकता है। विपक्षी दल इस मामले को भाजपा के खिलाफ इस्तेमाल करने की कोशिश कर सकते हैं, जबकि भाजपा इसे कानून और अनुशासन के नजरिए से देख रही है।

अधिकारी का विकलांगता प्रमाण-पत्र फर्जी निकला,नौकरी से निकाले गए

बिलासपुर,31 अगस्त 2025। फर्जी विकलांगता प्रमाण-पत्र के आधार पर नौकरी करने वाले नेत्र सहायक अधिकारी सामंतक कुमार टंडन को सेवा से हटा दिया गया है। जांच में प्रमाण पत्र फर्जी साबित होने के बाद संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. स्वाति वंदना सिसोदिया ने उन्हें बर्खास्त करने का आदेश जारी किया। जांजगीर-चांपा जिले के ग्राम कोटिया निवासी प्रदीप ने इस बारे में विभाग को शिकायत की थी। शिकायत मिलने पर तत्कालीन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने टंडन के दिव्यांगता प्रमाण-पत्र की दोबारा जांच के आदेश दिए। जांच सिम्स में कराई गई,जहां मेडिकल रिपोर्ट में साफ लिखा गया कि टंडन की सुनने की क्षमता पूरी तरह सामान्य है। इसके बाद यह स्पष्ट हो गया कि उन्होंने जो विकलांगता प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया था, वह फर्जी है। जांच पूरी होने के बाद 16 जुलाई को टंडन को नोटिस दिया गया और बताया गया कि फर्जी प्रमाण पत्र के कारण उनकी नौकरी खत्म की जाएगी। इसके बाद यह कार्रवाई की गई। बता दें कि उनकी नियुक्ति नेत्र सहायक अधिकारी के पद पर सीधी भर्ती से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, लोहर्सी (मस्तूरी) में हुई थी। इधर,छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने भी मांग उठाई है कि जिस डॉक्टर ने यह फर्जी प्रमाण पत्र जारी किया था,उसके खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई हो। साथ ही, विकलांग कोटे से भर्ती खासकर ईएनटी विभाग में पदस्थ सभी कर्मचारियों के प्रमाण पत्रों की जांच की जाए।

भारतमाला परियोजना : अपात्र लोगों को मुआवजा मिलने की शिकायत पर एक और जांच होगी, कम राशि मिलने के प्रकरण ट्रिब्यूनल को भेजे जाएंगे

रायपुर,31 अगस्त 2025। रायपुर संभाग में चल रहे भारतमाला परियोजना में हुए मुआवजा घोटाले की प्रशासनिक जांच पूरी हो गई है। जांच रिपोर्ट में गड़बड़ी की पुष्टि तो हुई, लेकिन अपात्र लोगों को मुआवजा मिलने की शिकायत पर विस्तृत जांच की अनुशंसा की जा रही है। बताया गया है कि कम मुआवजा मिलने की शिकायतों के प्रकरण राजस्व ट्रिब्यूनल को भेजे जाएंगे।

एसीबी और कमिश्नर की चल रही है जांच : रायपुर-विशाखापटनम भारतमाला सडक़ परियोजना में मुआवजा घोटाले की ईओडब्ल्यू-एसीबी की जांच चल रही है।? इससे परे सरकार ने रायपुर कमिश्नर को भी शिकायतों की जांच करने के लिए कहा था। बताया गया कि रायपुर कमिश्नर महादेव कांवरे ने सडक़ परियोजना पर आपत्ति दावे बुलाए थे, और फिर इसकी जांच के लिए एडिशनल कलेक्टर की अध्यक्षता में चार अलग-अलग टीम बनाई थी। चारों टीम ने जांच कर अपनी रिपोर्ट कमिश्नर को दे दी है। रायपुर कमिश्नर महादेव कांवरे ने बताया कि चारों टीम ने अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। रिपोर्ट का परीक्षण किया जा रहा है। उन्होंने कहा अपात्र लोगों को मुआवजा मिलने की शिकायतों की विस्तृत जांच की जरूरत है। इस पर जल्द फैसला लिया जाएगा।

एनएचएम के कर्मचारियों के लिए बड़ी खुशखबरी

बीजेपी सांसद ने किया मांगों का समर्थन

मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री से चर्चा की कही बात ....

रायपुर,31 अगस्त 2025। एनएचएम के 16 हजार से अधिक कर्मचारी अपनी 10 सूत्रीय मांगों को लेकर पखवाड़े भर से आंदोलन में है। पूरे प्रदेश भर में एनएचएम के कर्मचारी अलग-अलग तरीके से धरना, प्रदर्शन, आंदोलन कर सरकार तक अपनी मांगों को पहुंचने में लगे हुए हैं। इनकी प्रमुख मांगे नियमितीकरण,संविलियन, ग्रेड पे, और लंबित 27 प्रतिशत वेतन वृद्धि हैं। इस बीच भारतीय जनता पार्टी के सांसद विजय बघेल ने एनएचएम के कर्मचारियों की मांगों को जायज बताते हुए,इस संबंध में स्वास्थ्य मंत्री और मुख्यमंत्री से चर्चा करने की बात कही है।

चुनावी घोषणा-पत्र में मांगें पूरा करने का वादा

इस पर कांग्रेस के पूर्व मंत्री सत्यनारायण शर्मा ने कहा कि भाजपा ने अपने चुनावी घोषणा-पत्र में मांगें पूरा करने का वादा किया था लेकिन ये वादा करके भूल गए । त्यौहार के समय महिलाएं सहित हजारों लोग अपनी मांगों को लेकर अपने घरों से दूर धरने पर बैठे हुए हैं यह एक तरह से अभिशाप है । भाजपा के सांसद विजय बघेल ने उनकी मांगों का समर्थन किया है, वो भी सरकार के नुमाइंदे हैं। अब जिस तरह से भारतीय जनता पार्टी के सांसद ने भी एनएचएम के कर्मचारियों की मांगों का समर्थन किया है उसके बाद से इस मुद्दे पर सियासत भी गरमा रही है । कांग्रेसी अब इसको लेकर सरकार पर निशाना साध रहे है ।

मशाल रैली व कैंडल मार्च से जताया विरोध

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) कर्मचारियों की मांगों को लेकर जारी अनिश्चितकालीन हड़ताल के तहत शनिवार शाम जिले के एनएचएम कर्मचारियों ने मशाल रैली और कैंडल मार्च निकाला। यह रैली डीएनके मैदान धरना स्थल से शुरू होकर सामुदायिक भवन, कांग्रेस भवन होते हुए अम्बेडकर चौक पर जाकर समाप्त हुई। एनएचएम कर्मचारी संघ, जिला इकाई कोण्डागांव के बैनर तले निकाली गई इस रैली में बड़ी संख्या में कर्मचारी शामिल हुए। रैली के दौरान कर्मचारियों ने जमकर नारेबाजी की और सरकार से जल्द से जल्द उनकी मांगों को पूरा करने की अपील की। संघ के जिलाध्यक्ष कृष्णा पटेल ने कहा कि लंबे समय से नियमितीकरण, वेतनमान और अन्य सुविधाओं की मांग को लेकर आंदोलन जारी है, लेकिन सरकार की ओर से अब तक कोई ठोस आश्वासन नहीं मिला है।

अनिश्चितकालीन हड़ताल और आंदोलन जारी : उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक अनिश्चितकालीन हड़ताल और आंदोलन जारी रहेगा। इस हड़ताल का असर स्वास्थ्य सेवाओं पर भी दिखने लगा है। खासकर ग्रामीण अंचल में मरीजों को इलाज के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

सीएम साय ने बस्तर बाढ़ पीड़ितों को मुआवजा देने की घोषणा की

रायपुर,31 अगस्त 2025। बस्तर में बाढ़ पर सीएम विष्णुदेव साय ने कहा है विदेश दौरे से स्थितियों की जानकारी ली थी। बस्तर में कई लोगों की जान गई और फसल बर्बाद हुआ। प्रभावितों को मुआवजा देने कहा गया है। राहत कार्य में कोताही बर्दाश्त नहीं होगी। सीएम साय ने इसके पहले भी विदेश दौरे के दौरान वीडियो कांफ्रेसिंग के जरिए बस्तर में बाढ़ का जायजा लिए थे। अधिकारियों को इस राहत कार्य एवं राहत राशि हेतु निर्देशित किए। वहीं ञ्जरूष्ट सांसद के ॥रूशाह पर किए अभद्र टिप्पणी पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा ञ्जरूष्ट सांसद के बयान की कड़ी भर्त्सना करता हूं। लोकतंत्र में असहनीय भाषा की जगह नहीं है। वहीं मोदी के चीन दौरे पर ष्टरू विष्णु देव साय ने कहा मोदी के कारण विश्व में भारत का मान-सम्मान बढ़ा। सभी देशों से संबंध अच्छा बनाकर रखना चाहते हैं। चीन के साथ भी संबंध अच्छा चाहते हैं, माहौल अच्छा होगा। बता दें कि बीते दिनों जापान और दक्षिण कोरिया के दौरे पर गए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बस्तर संभाग के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के प्रत्येक बाढ़ प्रभावित परिवार तक हर संभव मदद उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे। उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित परिवारों की पीड़ा को शीघ्र कम करना प्रशासन की सर्वोच्च जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि लोगों को यह महसूस होना चाहिए कि संकट की इस घड़ी में प्रशासन उनके साथ मजबूती से खड़ा है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बस्तर संभाग के बाढ़ प्रभावित जिलों–बस्तर, दंतेवाड़ा, बीजापुर और सुकमा के कलेक्टरों व वरिष्ठ अधिकारियों से राहत एवं पुनर्वास कार्यों की विस्तृत समीक्षा के दौरान यह निर्देश दिए थे।

फर्जी ईडब्ल्यूएस सर्टिफिकेट से मेडिकल सीट हथियाने वाली तीन छात्राएं बेनकाब

बिलासपुर,31 अगस्त 2025। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में NEET-UG परीक्षा में फर्जी ईडब्ल्यूएस (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग) सर्टिफिकेट के जरिए मेडिकल सीट हासिल करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। तीन छात्राओं–श्रेयांशी गुप्ता, सुहानी सिंह और भाव्या मिश्रा ने ईडब्ल्यूएस कोटे का दुरुपयोग कर MBBS में प्रवेश लिया था। जांच में खुलासा हुआ कि इनके नाम पर तहसील से कोई वैध सर्टिफिकेट जारी ही नहीं हुआ था। इस घोटाले की तुलना अब चर्चित IAS पूजा खेड़कर फर्जीवाड़ा केस से की जा रही है। मामला तब उजागर हुआ, जब मेडिकल शिक्षा विभाग ने छात्रों के दस्तावेजों की जांच के लिए उनकी जानकारी तहसील कार्यालय को भेजी। तहसीलदार गरिमा सिंह ने स्पष्ट किया कि श्रेयांशी गुप्ता (पिता सुनील गुप्ता, सरकंडा निवासी, भाजपा नेता सतीश गुप्ता की भतीजी), सुहानी सिंह (पिता सुधीर कुमार सिंह, लिंगियाडीह, सीपत रोड निवासी) और भाव्या मिश्रा (पिता सूरज कुमार मिश्रा, सरकंडा निवासी) के नाम पर न तो

कोई आवेदन प्राप्त हुआ और न ही कोई ईडब्ल्यूएस सर्टिफिकेट जारी किया गया। बिलासपुर SDM मनीष साहू ने बताया कि जांच में फर्जीवाड़ा पकड़ा गया है और आगे की कार्रवाई की तैयारी चल रही है। ईडब्ल्यूएस कोटा सामान्य वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों के लिए 10% आरक्षण प्रदान करता है, जिसका उद्देश्य जरूरतमंदों को शैक्षणिक अवसर देना है। लेकिन इन छात्राओं ने फर्जी दस्तावेजों के सहारे इस कोटे का गलत फायदा उठाया और मेडिकल काउंसलिंग के जरिए MBBS सीट हासिल कर ली। प्रशासन अब इस बात की गहन जांच कर रहा है कि ये फर्जी सर्टिफिकेट कैसे तैयार हुए, इसमें कौन-कौन शामिल थे, और इन्हें मान्यता कैसे दी गई।

डिप्टी कलेक्टर की अग्रिम जमानत याचिका खारीज,दुष्कर्म केस में गिरफ्तारी कभी भी

बालोद,31 अगस्त 2025। जिले में महिला आरक्षक ने बीजापुर में पदस्थ डिप्टी कलेक्टर दिलीप उइके के खिलाफ दुष्कर्म,गर्भपात और अर्थिक शोषण का आरोप दर्ज कराया है। डिप्टी कलेक्टर के वकील ने जिला न्यायालय में उनकी जमानत के लिए याचिका लगाई थी। कोर्ट ने सुनवाई करते हुये जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। कोर्ट में सुनवाई के दौरान आरोपी पक्ष के वकील ने दलील दी कि पीड़िता ने डिप्टी कलेक्टर को ब्लैकमेलिंग कर झूठा केस दर्ज कराया है। इधर,पीड़िता ने भी मजिस्ट्रेट के सामने अपनी आपबीती सुनाई और बैंक स्टेटमेंट समेत कई सबूत पेश किये। पीड़िता और आरोपी पक्ष के वकील की दलील सुनने के बाद कोर्ट ने डिप्टी कलेक्टर के खिलाफ जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। जानिए पूरी कहानी पीड़िता ने शिकायत में बताया कि 2017 में दिलीप उईके और पीड़िता आईटीआई में पढ़ाई कर रहे थे। इसी बीच दोनों की मुलाकात हुई और फिर बातचीत होने लगी। धीरे-धीरे दोनों एक दूसरे को पसंद करने लगे और दोनों का ये रिश्ता प्यार में बदल गया। शादी का झांसा देकर दिलीप ने पीड़िता के साथ कई बार शारीरिक संबंध बनाया। 2017 में पीड़िता पहली बार गर्भवती हुई तो आरोपी ने उसे जबरदस्ती दवा खिलाकर गर्भपात करा दिया।

इसी बीच 2017 में महिला की पुलिस विभाग में नौकरी लग गई। इधर दिलीप भी दुर्ग के साइंस कॉलेज पढ़ने चला गया। इस बीच पीड़िता ने उसे पढ़ाई के लिए पैसे भी दिये। आरोपी ने इसी तरह पीड़िता को अपने झांसे में लेकर फिर से शारीरिक संबंध बनाया।

पीड़िता की शिकायत के मुताबिक, 2024 में दिलीप ने एक मारूति कार खरीदी और पीड़िता को घुमाने के लिए अंडमान ले गया। यहां भी शारीरिक संबंध बनाया। बालोद वापस लौटने के एक माह बाद पीड़िता दूसरी बार गर्भवती हो गई। इस दौरान आरोपी बीजापुर में पदस्थ था। दिलीप ने पीड़िता को फोन किया और उसे बीजापुर बुलाया। फिर गोली खिलाकर गर्भपात करा दिया। इसके बाद 2025 में फिर से शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाया और पीड़िता से कुछ रूपये की मांग भी किया। पीड़िता ने करीब 3.30 लाख दिलीप के खाते में ट्रांसफर किये। 2025 में ही महिला तीसरी बार गर्भवती हो गई। इसकी जानकारी मिलने के बाद दिलीप ने फिर से दवा देकर गर्भपात करा दिया। इधर, पीड़िता ने शादी की बात की तो वो मुकर गया और शादी करने से मना कर दिया। इसके बाद दूरी भी बनाने लगा। इस बात से दुखी पीड़िता ने डौंडी थाना में इसकी शिकायत दर्ज कराई है। महिला की शिकायत के बाद पुलिस ने डिप्टी कलेक्टर के खिलाफ अपराध दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

बालोद एएसपी मोनिका ठाकुर ने मीडिया को बताया कि महिला के द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। एक व्यक्ति जो कि शासकीय कर्मचारी है, उसने पीड़िता महिला के साथ पिछले 1साल से शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बना रहा था। शिकायत पर अपराध दर्ज कर लिया गया है। मामले में जांच की जा रही है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।बता दें कि डिप्टी कलेक्टर दिलीप उइके डेढ़ साल तक बीजापुर के भोपालपटनम जनपद सीईओ के पद पर पदस्थ थे। इस दौरान वे काफी सुर्खियों में भी रहे हैं।

हाई प्रोफाइल ड्रग कार्टेल का पर्दाफाश,रायपुर की इंटीरियर डिजाइनर मुंबई से गिरफ्तार

रायपुर,31 अगस्त 2025। राजधानी में एक हाई प्रोफाइल ड्रग कार्टेल को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस ने नाइट पार्टीज़ में ड्रग्स सप्लाई करने वाले गिरोह की महिला सदस्य को मुंबई से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवती की पहचान नव्या मलिक के रूप में हुई है, जो पेशे से एक इंटीरियर डिजाइनर है और रायपुर के कटोरा तालाब क्षेत्र की निवासी है।

कैसे हुआ ड्रग कार्टेल का खुलासा : 23 अगस्त को एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और गंज थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने

देवेंद्र नगर ओवरब्रिज के नीचे एक कार में सवार 3 युवकों, हर्ष आहूजा, मोनू विश्नोई (हिसार, हरियाणा), और दीप धनोरिया को गिरफ्तार किया था। इन युवकों के पास से 27.58 ग्राम एमडीएमए ड्रग्स, 1 कार, 85,300 नगद, तौल मशीन और 5 मोबाइल फोन जब्त किए गए थे। जब्त सामान की कुल कीमत करीब ?20 लाख आंकी गई है।

ड्रग कार्टेल में नव्या मलिक की भूमिका क्या : रायपुर की इंटीरियर डिजाइनर नव्या मलिक अक्सर मुंबई आते-जाते रहती है। पुलिस को संदेह है कि वह नाइट पार्टीज़ में ड्रग्स सप्लाई कराने का काम कर रही थी। गिरफ्तार युवक हर्ष आहूजा उसका पड़ोसी है और पुलिस को आशंका है कि दोनों मिलकर इस गिरोह का संचालन कर रहे थे।

3 दिन की पुलिस रिमांड पर नव्या : फिलहाल पुलिस ने नव्या को 3 दिन की रिमांड पर लिया है। ड्रग्स की आपूर्ति श्रृंखला में कितने लोग शामिल हैं ? क्या मुंबई, दिल्ली और पंजाब में भी इससे जुड़े नेटवर्क फैले हुए हैं ? और रायपुर में किन हाई प्रोफाइल पार्टीज़ में यह ड्रग्स पहुंचाई जाती थी ? पुलिस इन सभी बिंदुओ पर पूछताछ कर जांच में जुटी हुई है।

रायपुर की युवती का क्या कनेक्शन

गिरफ्तार आरोपी मोनू विश्नोई ने पूछताछ में कबूल किया कि वह हर्ष आहूजा, दीप धनोरिया और एक स्थानीय युवती की मांग पर दिल्ली से ड्रग्स लेकर रायपुर पहुंचा था। इसी कड़ी में पुलिस को नव्या मलिक की जानकारी मिली, जिसे पुलिस ने मुंबई से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के समय युवती से 1 प्रतिबंधित नशीली टैबलेट, ड्रग सप्लाई का रैपर और 2 मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं।

मनोविज्ञान,न्यूट्रिशन,माइक्रोबायोलॉजी,हेल्थकेयर से जुड़े अन्य कोर्स के डिस्टेंस लर्निंग या ऑनलाइन मोड पर रोक

रायपुर,31 अगस्त 2025। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने बड़ा फैसला लेते हुए देश भर के कालेजों और अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों को मनोविज्ञान,हेल्थकेयर और इससे जुड़े अन्य कोर्स ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग या ऑनलाइन मोड के जरिए कराने पर रोक लगा दी है। यह निर्देश इसी सत्र यानी जुलाई-अगस्त 2025 सेशन से प्रभावी कर दिए गए हैं। यूजीसी के नए निर्देश के तहत मनोविज्ञान, न्यूट्रिशन, माइक्रोबायोलॉजी, बायोटेक्नोलॉजी,क्लिनिकलन्यूट्रिशन, डाइटेटिक्स और फूड साइंस जैसे कोर्स अब ऑनलाइन या डिस्टेंस मोड में नहीं चलाए जा सकेंगे। इन सभी कोर्सेस को नेशनल कमीशन फॉर एलाइड एंड हेल्थकेयर प्रोफेशन एक्ट, 2021 के तहत कवर किया गया है।

मान्यता वापस ली जाएगी : यूजीसी ने स्पष्ट किया कि जो संस्थान पहले से 2025-26 सत्र के लिए इन कोर्सेस को ऑनलाइन या डिस्टेंस मोड में चलाने की मान्यता प्राप्त कर चुके हैं, उनकी यह मान्यता वापस ले ली जाएगी। आयोग ने कहा कि

जुलाई-अगस्त 2025 और उसके बाद के शैक्षणिक सत्रों में कोई भी उच्च शिक्षण संस्थान एक्ट 2021 के तहत आने वाले एलाइड और हेल्थकेयर कोर्स, जिनमें मनोविज्ञान भी शामिल है, दूरस्थ या ऑनलाइन मोड में नहीं चला सकेगा। यूजीसी ने स्पष्ट किया कि जहां बीए जैसी डिग्री में मल्टी-स्पेशलाइजेशन की सुविधा है, वहां सिर्फ उन्हीं विषयों की पढ़ाई पर रोक होगी जो एनसीएएचपी एक्ट के अंतर्गत आते हैं। यानी बीए (इकोनॉमिक्स,हिंदी,पॉलिटिकल साइंस, साइकोलॉजी, सोशियोलॉजी आदि) की डिग्री में मनोविज्ञान शामिल है, तो सिर्फ मनोविज्ञान कोर्स ही हटाया जाएगा,बाकी विषयों की पढ़ाई जारी रहेगी। यह निर्णय अप्रैल 2025 में हुई 24वीं डिस्टेंस एजुकेशन ब्यूरो वर्किंग ग्रुप की बैठक की सिफारिशों के आधार पर लिया गया। यूजीसी का कहना है कि ऐसे कोर्स, जिनमें प्रैक्टिकल ट्रेनिंग और प्रोफेशनल एक्सपोजर जरूरी है,उन्हें ऑनलाइन या डिस्टेंस मोड से प्रभावी ढंग से नहीं पढ़ाया जा सकता।

यूजीसी पहले ही कई प्रोफेशनल और प्रैक्टिकल-आधारित कोर्सों पर ऑनलाइन मोड में रोक लगा चुकी है। इनमें इंजीनियरिंग मेडिकल, डेंटल, नर्सिंग, फार्मेसी, फिजियो थेरेपी आर्किटेक्चर, होटल मैनेजमेंट, केटरिंग टेक्नोलॉजी विजुअल आर्ट्स, एप्लाइड आर्ट्स, कृषि, हॉर्टिकल्चर, पैरामेडिकल साइंसेज कानून छात्रों पर असर पड़ेगा। यूजीसी के इस निर्देश से हजारों छात्र प्रभावित होंगे, जो इन कोर्सेस में ऑनलाइन या डिस्टेंस मोड के जरिए दाखिला लेने की योजना बना रहे थे।

अब विश्वविद्यालयों और संस्थानों को अपने कोर्स ढांचे में बदलाव करना होगा, ताकि नए नियमों के अनुसार शैक्षणिक कार्यक्रम संचालित किए जा सकें।

संवाद 45017/53

फौजी की पत्नी की संदिग्ध मौत:पति की प्रेमिका से विवाद के बाद फांसी,मायके वालों ने जताई हत्या की आशंका

दुर्ग,31 अगस्त 2025। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में एक आर्मी जवान की पत्नी ने गुरुवार को बंद कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पति के एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर के कारण जान दी है। सुसाइड से पहले महिला ने अपने मायके वालों को ऑडियो भेजी थी। मामला मोहन नगर थाना क्षेत्र का है। ऑडियो में आर्मी जवान और उसकी पत्नी और एक दूसरी महिला कॉन्फ्रेंस कॉल में हैं,जिसमें महिला आर्मी जवान की पत्नी से गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी दे रही है। वह कह रही है कि देख लूंगी, मार दूंगी।मिली जानकारी के मुताबिक मृतका का नाम प्रीति सिंह है। वहीं पति का नाम मुकेश सिंह है,जो राजस्थान के जैसलमेर में आर्मी में पदस्थ है। मृतिका के परिजनों का आरोप है कि जिस हालत में लाश मिली है, वह आत्महत्या नहीं है। मारकर टांगने की आशंका जताई है। दरअसल, 28 अगस्त को प्रीति ने तीज का व्रत रखा और अपनी सास का आशीर्वाद लेने घर आई थी। इसी दौरान उसके पति की कथित प्रेमिका ने प्रीति की सास के साथ पूजा की। उसने व्हाट्सएप पर अपना स्टेटस डाल दिया। यह देखकर प्रीति को गहरा सदमा लगा।इसके बाद प्रीति ने उस महिला को कॉल किया। उसने अपने पति को भी कॉन्फ्रेंस कॉल में रखा। इस दौरान महिला ने प्रीति को गालियां दीं और धमकी दी। महिला ने कहा कि वह उसे देख लेगी और जान से मार देगी। इस दौरान प्रीति के पति ने उसका साथ देने के

बजाय अपनी कथित प्रेमिका का पक्ष लिया। प्रीति की बहन ने बताया कि बहस और अपमान से आहत होकर प्रीति ने कॉल की ऑडियो रिकॉर्डिंग भेजी थी। रिकॉर्डिंग में साफ सुना जा सकता है कि महिला गाली दे रही थी और धमकियां दे रही थी। दीदी ने मैसेज भेजकर सबूत भी दिए थे, लेकिन कुछ देर बाद ही हमें सूचना मिली कि उसने फांसी लगा ली। प्रीति की बहन ने बताया कि प्रीति की शादी 2019 में बलिया निवासी मुकेश से हुई थी। उनके दो बच्चे भी हैं। मायके वालों का कहना है कि शादी के शुरुआती दिनों से ही पति का कई महिलाओं से अफेयर रहा। प्रीति ने कई बार ससुराल में शिकायत की, लेकिन उल्टा उसे ही मारपीट और गाली-गलौज झेलनी पड़ी।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)